THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, बुधवार 25 नवंबर, 2026 | वर्ष: 01 | अंक: 31 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: 2.00 रू.

श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व

सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए किया सर्वस्व अर्पित

चुनौतियों के बावजूद श्री गुरु नानक देव जी रहे अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित

राजनीति सत्ता का नहीं, सेवा का माध्यम- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को किया नमन, टेका मत्था

द अनकवर्ड अपडेट





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर राजापार्क में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को नमन किया, मत्था टेका और प्रदेशवासियों से श्री गुरू नानक देव जी के प्रेम, सेवा, समानता और मानवता के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंधकार और चुनौतियों के दौरान श्री गुरु नानक देव जी ने बिना किसी भय के सत्य का बिगुल बजाया। उनकी हजारों मील की कठिन यात्राओं में दुर्गम बाधाएं आई, लेकिन वे कभी नहीं रुके। उनका जीवन हमें सिखाता है कि चुनौतियां होने के बावजूद एक सच्चे सेवक को घबराए बिना अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी का संदेश है कि ईश्वर का स्मरण करें, ईमानदारी और परिश्रम से कमाएं और जरूरतमंदों के साथ बांटें। इस संदेश से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार प्रदेश के विकास, जनसेवा और अंतिम छोर के व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। हमारे लिए राजनीति सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने समाज को सिखाया कि ईश्वर एक है और उसकी नजर में सभी मनुष्य समान हैं। सच्चा धर्म अच्छे कर्म, ईमानदारी और मानव सेवा में ही निहित है। लंगर सेवा समानता और सेवा भावना का अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने सिख गुरुओं के त्याग, समर्पण, साहस और बलिदान की महान परंपराओं का स्मरण करते हुए कहा कि सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि धर्म और आस्था की स्वतंत्रता तथा मानव अधिकारों की रक्षा के लिए उनका बलिदान अद्वितीय है। दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन त्याग, वीरता और धर्म की रक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रधानमंत्री ने किया करतारपुर कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करतारपुर कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय कर करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया। वहीं, श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने नई पीढ़ी को उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिख समुदाय के कल्याण, उत्थान और धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जयपुर स्थित गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब जी तथा अनूपगढ़ स्थित बुड्ढा जोहड़ गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के विद्यार्थियों के छात्रावास हेतु भूमि का आवंटन हो चुका है तथा इसका कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। इस दौरान जयपुर महापौर सुनील कोठारी, राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजयपाल सिंह, मुख्य ग्रंथी जगजीत सिंह सहित गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग उपस्थित रहे।

नाबालिग का हाथ पकड़ना भी यौन हमला यौन मंशा साबित होने पर पॉक्सो अपराध

अदालत ने कहा- हरकत की प्रकृति और आरोपी की नीयत महत्वपूर्ण, हाईकोर्ट ने बरकरार रखी आरोपी की सजा

● इंदौर



नाबालिग का हाथ पकड़ना भी यौन हमला माना जा सकता है। यदि इस हरकत के पीछे आरोपी की यौन मंशा साबित हो जाती है तो उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध बनता है। इंदौर हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए आरोपी को सुनाई गई सजा बरकरार रखी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी नाबालिग के साथ की गई हरकत को केवल सामान्य स्पर्श या हाथ पकड़ने की घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मामले में यह देखना जरूरी है कि आरोपी ने किस परिस्थिति में और किस उद्देश्य से ऐसा किया। यदि उसके कृत्य के पीछे यौन उद्देश्य प्रमाणित होता है तो यह पॉक्सो कानून के दायरे में आएगा। हाईकोर्ट ने मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों का परीक्षण करने के बाद आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने माना कि नाबालिग के साथ यौन मंशा से की गई ऐसी हरकत को कानून के तहत यौन हमला माना जा सकता है। इसी आधार पर निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा को बरकरार रखा गया। इस फैसले में अदालत ने यह भी संकेत दिया कि पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध तय करते समय केवल शारीरिक संपर्क की प्रकृति ही नहीं, बल्कि उसके पीछे की मंशा और घटना की परिस्थितियों को भी महत्व दिया जाना चाहिए।

कोर्ट की टिप्पणी

हाईकोर्ट ने कहा है कि यौन मंशा से नाबालिग लड़की का हाथ पकड़ना भी पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन हमला है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि परिस्थितियों में यौन मंशा साबित होने पर शारीरिक संपर्क का ऐसा कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के दायरे में आता है। मामले में हाईकोर्ट ने आरोपी की दोषसिद्धि और सजा बरकरार रखते हुए उसकी अपील खारिज कर दी। जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने यह टिप्पणी उस अपील पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें आरोपी ने विशेष न्यायाधीश द्वारा पॉक्सो एक्ट की धारा 7 और 8 के तहत दी गई सजा को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि मामले में साबित परिस्थितियों के अनुसार नाबालिग का हाथ यौन मंशा से पकड़ना यौन हमला है।

क्या है मामला

अभियोजन के मुताबिक- 23 सितंबर 2020 को पीड़िता के घर में आरोपी मिस्त्री का काम करता था। घटना के दौरान लड़की के माता-पिता और बड़ी बहन घर पर नहीं थे। इसी दौरान आरोपी ने नाबालिग का हाथ यौन मंशा से पकड़ लिया। लड़की के विरोध के बावजूद उसने हाथ नहीं छोड़ा। पीड़िता किसी तरह वहां से निकलकर गैलरी में गई और दरवाजा बंद कर लिया। आरोपी ने उसे घटना के बारे में किसी को न बताने की धमकी भी दी। बाद में लड़की ने अपने माता-पिता को घटना बताई, जिसके बाद रावजी बाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। हाई कोर्ट ने सुनवाई में पाया कि पीड़िता की उम्र आधिकारिक दस्तावेजों से साबित थी और उसकी गवाही महत्वपूर्ण तथ्यों पर लगातार एक जैसी रही। कोर्ट ने कहा कि पुलिस बयान और अदालत में दिए बयान के बीच मामूली अंतर या मां और बच्ची के बयान में छोटे अंतर स्वाभाविक हैं और इससे अभियोजन के मूल मामले पर असर नहीं पड़ता। बेंच ने यह भी कहा कि यौन अपराध के मामले में पीड़िता की विश्वसनीय गवाही दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त हो सकती है और हर मामले में स्वतंत्र पुष्टि जरूरी नहीं है।

मुकुल रोहतगी की 80 लाख रुपए फीस पर महाराष्ट्र में घमासान

● मुंबई

- गोकुल चुनाव केस में महाराष्ट्र सरकार पर कांग्रेस का हमला
- फेडरेशन में चार सरकारी नियुक्त सदस्यों को वोटिंग का अधिकार का विवाद

महाराष्ट्र में गोकुल दूध फेडरेशन के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर हुई कानूनी लड़ाई अब वकील की फीस को लेकर राजनीतिक विवाद में बदल गई है। राज्य सरकार के सहकारिता विभाग की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी को सरकार का पक्ष रखने के लिए 80 लाख रुपये का भुगतान किया गया। यह मामला गोकुल फेडरेशन में चार सरकारी नियुक्त सदस्यों को वोटिंग का अधिकार देने से जुड़ा था। इस भुगतान को लेकर कांग्रेस नेता सतेज पाटील ने सरकार की आलोचना करते हुए इसे सरकारी पैसे का गलत इस्तेमाल बताया है। सतेज पाटील ने कहा महाराष्ट्र एक तरफ सूखे की चपेट में है और सरकार विकास कार्यों के लिए पैसे की कमी का दावा कर रही है। ऐसे में गोकुल दूध फेडरेशन में सरकार की ओर से नियुक्त चार सदस्यों के फैसले को कोर्ट में समर्थन देने वकील को 80 लाख देना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि गोकुल पर कब्जा करने के लिए सरकार साम, दाम, दंड और भेद की नीति अपना रही है। (

केरल सरकार ने तेल कंपनियों से मांगे शुद्ध पेट्रोल के सैंपल

पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट की मात्रा को लेकर कर्नाटक से शुरू हुआ विवाद अब केरल पहुंचा

● नई दिल्ली



केरल के फूड, सिविल सप्लाईज और कंज्यूमर अफेयर्स मंत्री अनूप जैकब ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को एक खत लिखकर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 100 प्रतिशत शुद्ध पेट्रोल के सैंपल उपलब्ध कराने का निर्देश देने की मांग की है। उनका कहना है कि इन सैंपल की मदद से राज्य में बेचे जा रहे पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट मात्रा कितनी है इस बात की जांच की जाएगी।

बता दें कि पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट को लेकर कर्नाटक से शुरू हुआ विवाद अब केरल तक पहुंच गया है। सबसे पहले कर्नाटक सरकार ने दावा किया था कि ई20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत के बजाय 31.2 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जा रहा है। इसके बाद केरल सरकार ने भी ई20 पेट्रोल की जांच शुरू कर दी थी। केरल के सिविल सप्लाईज विभाग ने इस महीने की शुरुआत में पब्लिक सेक्टर की अलग-अलग तेल कंपनियों के पेट्रोल पंपों से फ्यूल के सैंपल इकट्ठा किए थे।

जांच का उद्देश्य एथेनॉल की मात्रा सबके सामने लाना है

अनूप जैकब ने आरोप लगाया है कि शुद्ध पेट्रोल के सैंपल हासिल करने के लिए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की ओर से की गई कई कोशिशें भी सफल नहीं हुईं। अनूप जैकब ने अपने पत्र में यह साफ किया है कि जांच का उद्देश्य तेल कंपनियों की छवि खराब करना नहीं है। सरकार का मकसद राज्य में सप्लाई किए जा रहे पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा को लेकर लोगों की आशंकाओं को दूर करना है। उन्होंने पहले भी चेतावनी दी थी कि यदि राज्य में सप्लाई होने वाला पेट्रोल निर्धारित मानकों के विपरीत पाया जाता है, तो संबंधित कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



वाराणसी, आरएनएन। काशी में देव दीपावली का पर्व भव्य तरीके से मनाया गया। गंगा के 84 घाटों पर करीब 11 लाख दीये जलाए गए, जिससे पूरा घाट क्षेत्र दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने पहला दीप प्रज्वलित कर उत्सव की शुरुआत की।

इस भव्य आयोजन को देखने के लिए 40 देशों से विदेशी मेहमान सहित करीब 15 लाख पर्यटक काशी पहुंचे हैं। देव दीपावली के अवसर पर काशी के सभी प्रमुख घाटों को दीपों से सजाया गया है। गंगा के 84 घाटों पर करीब 11 लाख दीये जलाए गए। दीपों की रोशनी से गंगा का तट बेहद आकर्षक नजर आ रहा था। नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने पहला दीप जलाकर आयोजन की शुरुआत की। इसके बाद अलग-अलग घाटों पर दीप प्रज्वलित किए गए और पूरा शहर उत्सव के रंग में रंग गया। काशी की देव दीपावली का आकर्षण देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक पहुंचा है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

देव दीपावली देखने 40 देशों से पहुंचे विदेशी मेहमान

स्कूल बस और ट्रक की टक्कर में 4 बच्चों की मौत

कन्नौज, आरएनएन। यूपी के कन्नौज के पास स्थित आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक बस स्कूली बच्चों को पिकनिक से लेकर लौट रही थी। इसी दौरान एक ट्रक ने पीछे से बस

35 से ज्यादा स्कूली छात्र हुए घायल

में जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से 4 बच्चों की मौत हो गई और 35 बच्चे घायल हो गए। ये हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के 209 किलोमीटर पर हुआ है। घटना इतनी भीषण थी कि मौके पर हड़कंप मच गया और लोग चीखने-चिल्लाने लगे। दरअसल आगरा से स्कूली बच्चों को पिकनिक पर लेकर बस कौशांबी गई थी और मंगलवार को सभी बच्चे वापस लौट रहे थे। लेकिन रास्ते में एक्सप्रेसवे पर बस को खड़ा किया गया, इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस में टक्कर मार दी, जिसमें 4 बच्चों की मौत हो गई और 35 बच्चे घायल हो गए।

नुकरा नस्ल के घोड़े की कीमत लगी 71 लाख

हापुड़, आरएनएन। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर खादर क्षेत्र में चल रहे गंगा कार्तिक मेले के खच्चर मेले में 30 महीने के नुकरा नस्ल के घोड़े की कीमत 71 लाख रुपये लगाई गई है। मेले में आयोजित कार्यक्रम में अच्छे प्रदर्शन के बाद एक शौकीन ने यह बोली लगाई, लेकिन मालिक नीटू चौधरी ने इसे बेचने से साफ इनकार कर दिया। देखने में बेहद खूबसूरत इस घोड़े को देखने के लिए खच्चर मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। घोड़ा मालिक नीटू चौधरी ने बताया कि उनका यह घोड़ा नुकरा नस्ल का है और अभी इसकी उम्र मात्र 30 महीने है। गढ़मुक्तेश्वर मेले के एक कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन के बाद एक शौकीन व्यक्ति ने इसकी कीमत 71 लाख रुपये लगाई।

मालिक ने बेचने से किया इनकार

कॉल ब्लॉकिंग जेल के अंदर से मोबाइल फोन से कॉल करने पर सिग्नल तो आ सकता है, लेकिन कॉल नहीं लगेगी

अब जेल के बाहर लगेगा टावर्स ऑफ द हारमोनियस सिस्टम

● नई दिल्ली

अगर कोई कैदी जेल के अंदर अवैध रूप से रखे गए मोबाइल फोन से कॉल करने की कोशिश करता है, तो उसके डिवाइस पर सिग्नल तो आ सकता है, लेकिन कॉल नहीं लगेगी। इसके बजाय, यह सिस्टम टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर को उस मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर के साथ अलर्ट भेज देता है, जिससे जेल प्रशासन को उस डिवाइस का पता लगाने और उसे जब्त करने में मदद मिलती है।

टावर्स ऑफ द हारमोनियस कॉल ब्लॉकिंग सिस्टम इसी तरह काम करता है। इस सिस्टम को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह जेल परिसर के आसपास के इलाकों में मोबाइल कनेक्टिविटी को प्रभावित किए बिना, 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर अनधिकृत मोबाइल कम्युनिकेशन को ब्लॉक कर सके। फिलहाल, शहर की तीन जेल परिसरों में से तिहाड़ (जिसमें नौ जेलें हैं) के परिसर में ऐसे दो टावर लगे हैं। मंडोली जेल परिसर में एक टावर है, जबकि रोहिणी जेल परिसर में अभी कोई टावर नहीं है।



पहले जेल प्रशासन मोबाइल जैमर पर था निर्भर

अधिकारियों ने बताया कि अब तक जेल प्रशासन मुख्य रूप से मोबाइल जैमर पर निर्भर था। यह एक पुरानी तकनीक है जो बिना किसी भेदभाव के सभी मोबाइल सिग्नल को ब्लॉक कर देती है, जिससे जेल परिसर के आसपास के इलाकों में भी मोबाइल कनेक्टिविटी प्रभावित होती है। इन टावरों में व्हाइट-लिस्टिंग की सुविधा भी होगी। इसके तहत, टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर को उन खास मोबाइल नंबरों के बारे में बताया जा सकता है, जिन्हें ब्लॉक नहीं किया जाना चाहिए। इसमें जेल कर्मचारियों और जेल परिसरों के आसपास रहने वाले लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नंबर शामिल होंगे।

कैदियों की निगरानी भी और कड़ी की जाएगी

सुरक्षा में चूक को रोकने के लिए, तकनीक को अपग्रेड करने के साथ-साथ जेल कर्मचारियों और कैदियों की निगरानी भी और कड़ी की जाएगी। सिर्फ तकनीक काफी नहीं है, इसलिए हम निगरानी को भी मजबूत कर रहे हैं। गृह मंत्री आशीष सूद ने जेल अधिकारियों को नियमित रूप से औचक निरीक्षण करने, कर्मचारियों की ड्यूटी में फेरबदल करने और कड़े एहतियाती उपाय लागू करने के निर्देश दिए हैं। सूत्र ने आगे बताया कि विभाग को नियमित निरीक्षण के जरिये जमीनी स्तर पर निगरानी मजबूत करने और जेल परिसर के अंदर मोबाइल फोन की तस्करी रोकने के उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। आधिकारिक तौर पर, यह प्रस्तावित कदम उन प्रयासों का हिस्सा है जो 2019 में शुरू हुए थे। उस समय, पारंपरिक मोबाइल जैमर का विकल्प खोजने के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया था। चूंकि पारंपरिक जैमर जेल परिसर के बाहर के मोबाइल नेटवर्क में भी बाधा डाल सकते हैं, इसलिए अधिकारी एक ऐसे सिस्टम की तलाश कर रहे थे जो आसपास के इलाकों को प्रभावित किए बिना जेल की सीमाओं के भीतर अनधिकृत संचार को रोक सके।

सावरकर के पड़पोते ने सोनिया को भेजा नोटिस

नई दिल्ली / आरएनएन। विनायक दामोदर सावरकर के पड़पोते सत्यकी सावरकर ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को एक कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें उन्होंने सोनिया गांधी की किताब बिलोंगिंगः अ जर्नी ऑफ लव में सावरकर के बारे में दिए गए बयानों पर माफी और स्पष्टीकरण की मांग की है। सत्यकी ने अपने वकील संग्राम कोल्हटकर के जरिये यह नोटिस भेजा है।

सोनिया गांधी की किताब के दो पन्नों पर विवाद

इसमें कहा गया है कि किताब के पेज 201 और 443 पर सावरकर के बारे में दिए गए बयान तथ्यात्मक रूप से गलत, ऐतिहासिक रूप से भ्रामक और तोड़-मरोड़ कर पेश किए गए हैं। ये बयान स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की प्रतिष्ठा और विरासत को नुकसान पहुंचाने वाले हैं। नोटिस में कहा गया है, मेरे मुवक्किल को विशेष रूप से पेज 201 पर दिए गए उस बयान पर आपत्ति है, जिसमें स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर का जिक्र उन लोगों के संदर्भ में किया गया है, जिन पर ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता के साथ मिलीभगत का आरोप है।

हिन्दी समाचार पत्र

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

जयपुर अपडेट

गुलाबी शहर की हर खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779

बुधवार, 25 नवंबर, 2026

बरवारा में फायरिंग का मामला...मामलें में फरार दो ईनामी बदमाश गिरफ्तार

आपसी विवाद में छोटे भाई ने अपने बडे भाई पर किए तीन राउण्ड फायर

फायरिंग कर छोटा भाई अपने साथियों के साथ फरार, एक आरोपी पहले गिरफ्तार

द अनकवर्ड अपडेट



नदबई। नदबई क्षेत्र के गांव बरबारा में आपसी विवाद में दो अन्य साथियों के साथ मिल कर छोटे भाई को अपने बडे भाई पर मारपीट कर फायरिंग करने के मामलें में पुलिस ने करीब दो माह से फरार दो-दो हजार के दो ईनामी बदमाश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। सूत्रों की मानें तो देर रात गांव बरवारा निवासी चन्द्रभान उर्फ छोटू पुत्र मोहनसिंह व कस्बा स्थि बनखंडी कॉलोनी निवासी राजेश पुजारी पुत्र सुरेश पुजारी रेलवे स्टेशन पर घूम रहे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी अरुण चौधरी के नेतृत्व में गठित स्पेशल पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। बाद में जांच पड़ताल दौरान आरोपियों की शिनाक्त होने पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों आरोपियों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

गौरतलब है कि, 12 सितम्बर को गांव बरवारा निवासी कोमल सिंह पुत्र मोहनसिंह अपने गांव में परचून दुकान से सामान खरीद रहा। इसी दौरान गिरफ्तार छोटे भाई चन्द्रभान सिंह उर्फ छोटू ने दो साथियों के साथ मिलकर अपने बडे भाई पर हमला कर दिया। वहीं, मारपीट कर तीन राउण्ड फायर करते हुए फरार हो गया। मामला दर्ज होने पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इससे पहले 15 सितम्बर को नदबई क्षेत्र के गांव मांझी निवासी आरोपी दीपशिखर सिंह पुत्र हरेन्द्रपाल सिंह को पूर्व में गिरफ्तार किया गया।

श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व

सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए किया सर्वस्व अर्पित : मुख्यमंत्री

राजनीति सत्ता का नहीं, सेवा का माध्यम



जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर राजापार्क में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को नमन किया, मत्था टेका और प्रदेशवासियों से श्री गुरू नानक देव जी के प्रेम, सेवा, समानता और मानवता के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंधकार और चुनौतियों के दौरान श्री गुरु नानक देव जी ने बिना किसी भय के सत्य का बिगुल बजाया। उनकी हजारों मील की कठिन यात्राओं में दुर्गम बाधाएं आई,





लेकिन वे कभी नहीं रुके।

उनका जीवन हमें सिखाता है कि चुनौतियां होने के बावजूद एक सच्चे सेवक को घबराए बिना अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी का संदेश है कि ईश्वर का स्मरण करें, ईमानदारी और परिश्रम से कमाएं और जरूरतमंदों के साथ बांटें। इस संदेश से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार प्रदेश के विकास, जनसेवा और अंतिम छोर के व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। हमारे लिए राजनीति सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने समाज को सिखाया कि ईश्वर एक है और उसकी नजर में सभी मनुष्य समान हैं। सच्चा धर्म अच्छे कर्म, ईमानदारी और मानव सेवा में ही निहित है। लंगर सेवा समानता और सेवा भावना का अनुपम उदाहरण है।

राजस्थान पेट्रो जोन इन्वेस्टर मीट

उद्योग विभाग की ओर से राजस्थान पेट्रो जोन इन्वेस्टर मीट का आयोजन



जयपुर (नि.सं.)। उद्योग विभाग के ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन (बीआईपी) की ओर से राजस्थान पेट्रो जोन इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया गया। बैठक में बालोतरा जिले के पचपदरा स्थित रिफाइनरी से उपलब्ध होने वाले पेट्रो उत्पादों के आधार पर क्षेत्र में पेट्रो आधारित उद्योगों के विकास और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान पेट्रो उद्योग से जुड़े व्यवसायियों एवं निवेशकों के साथ विचार-विमर्श कर औद्योगिक क्षेत्र के विकास, निवेशकों की आवश्यकताओं और उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई तथा निवेशकों से सुझाव आमंत्रित किए गए। बैठक में रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला, विभागीय अधिकारी, एचपीसीएल तथा राजस्थान प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं निवेशक उपस्थित रहे। बैठक में एचपीसीएल के अधिकारी यशपाल अनेजा ने पेट्रो उत्पादों की उपलब्धता और उनके औद्योगिक उपयोग की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचपीसीएल और राजस्थान सरकार ज्वाइंट वेंचर के रूप में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इससे निवेशकों को पेट्रो आधारित उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चा माल सुगमता से उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने विभिन्न पेट्रो उत्पादों और उनसे बनने वाले औद्योगिक उत्पादों की जानकारी भी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी। रीको के सीजीएम मुकुल रस्तोगी ने पचपदरा क्षेत्र में विकसित की जा रही औद्योगिक सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रीको द्वारा बालोतरा में राष्ट्रीय राजमार्ग-25 के निकट बोडावास-कलावा क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

जयपुर में जहर खाकर थाने पहुंची युवती

युवक से बातचीत का विरोध करने से थी नाराज, वीडियो कॉल कर परिजनों को दी जानकारी

जयपुर (नि.सं.)। जयपुर के जवाहर सर्किल थाने में सोमवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती जहर पीकर वहां पहुंच गई। युवती ने पुलिसकर्मियों को जहर पीने की जानकारी दी तो तुरंत उसे एम्बुलेंस से जयपुरिया हॉस्पिटल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल युवती की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

परिजनों को किया वीडियो कॉल

पुलिस के अनुसार, युवती एक युवक से बातचीत करती है। इस बात का उसके परिजन विरोध कर रहे थे। इसी विवाद के चलते युवती ने थाने पहुंचने से पहले परिजनों को वीडियो कॉल किया।

जिला प्रमुख एवं उप जिला प्रमुख के निर्वाचन का कार्यक्रम जारी

25 नवंबर को जिला प्रमुख एवं 26 नवंबर को उप जिला प्रमुख का होगा जिला परिषद् सभा-भवन में निर्वाचन कार्यक्रम

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम, 1994 तथा राजस्थान पंचायतीराज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 59, 61 एवं 62 में विनिर्दीष्ट प्रावधानों के अनुरूप तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में पंचायतीराज संस्थाओ के अध्यक्षीय एवं उपाध्यक्षीय पदों के निर्वाचन की प्रक्रिया जयपुर जिले में संपादित करने हेतु तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि निर्वाचक प्रक्रिया को विधिसम्मत, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारी की जा रही है। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षीय पद हेतु निर्वाचित सदस्यों में से प्रत्येक अभ्यर्थी निर्धारित 4ख में संबंधित रिर्टनिंग अधिकारी के समक्ष नाम निदेर्शन-पत्र प्रस्तुत करेगा।

शबद कीर्तन समागम में शामिल हुए राज्यपाल ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका

राज्यपाल ने कहा, गुरबाणी धर्म और अध्यात्म परंपरा की अनुपम दृष्टि

जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे गुरुनानक जयंती, प्रकाश पर्व पर जयपुर स्थित गुरुद्वारे में आयोजित विशेष शबद कीर्तन समागम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और गुरबाणी सुनते हुए इसे भारतीय धर्म और अध्यात्म परंपरा की अनुपम दृष्टि बताया। बागडे ने गुरु नानक की शिक्षाओं का स्मरण करते हुए अपने किरत करो, नाम जपो, वंड छको के सिद्धांतों का अधिकाधिक प्रसार करने का आह्वान किया।



विकास कार्यों का शुभारम्भ

विधानसभा अध्यक्ष ने वार्ड एक एवं दो में 20 लाख रुपये के विकास कार्यों का शुभारम्भ

विधायक कोष से सड़क निर्माण एवं टीन शेड निर्माण कार्य होंगे

अजमेर/जयपुर(नि.सं.)। अजमेर शहर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। इसी क्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने प्रगति नगर, कोटड़ा स्थित पिंक गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में विधायक कोष से वार्ड संख्या एक एवं दो में कुल 20 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ किया। विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने वार्ड संख्या एक के आजाद नगर, कोटड़ा में गली के मकान संख्या 34 से 43 एवं 66 से 75 तक 5 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। इसी प्रकार वार्ड संख्या दो के प्रगति नगर, ए ब्लॉक में पिंक गार्डन के पास 5 लाख रुपये की लागत से टीन शेड निर्माण तथा फ्लोरेंस रेजीडेन्सी से राजकीय विद्यालय तक 10 लाख रुपये की



लागत से सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। सड़क निर्माण का कार्य सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जाएगा। इस अवसर पर श्री देवनानी ने कहा कि अजमेर के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए प्रत्येक वार्ड और मोहल्ले में आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। प्रयास है कि नागरिकों को बेहतर सड़क, स्वच्छता, पेयजल सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हों। अच्छी सड़कें न केवल आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाती हैं, बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को भी आसान बनाती हैं। उन्होंने कहा कि अजमेर शहर में अनेक महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। इनमें से अधिकांश परियोजनाओं के इसी वर्ष पूर्ण होने की उम्मीद है। अजमेर के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। पिछले ढाई वर्षों में सैकड़ों करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। शहर को सुंदर, स्वच्छ एवं बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए प्रमुख मार्गों और प्रवेश मार्गों पर सौंदर्यीकरण, हरित विकास तथा नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजा

पीडित महिला ने कराया मामला दर्ज, करीब डेढ़ माह पहले का मामला

द अनकवर्ड अपडेट

नदबई। भरतपुर जिले के नदबई ग्रामीण क्षेत्र में एक महिला को शादी का झांसा देते हुए दुष्कर्म करने व बाद में अश्लील वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देने के मामलें में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी अरुण चौधरी के अनुसार बयाना थाना क्षेत्र के गांव झामरी निवासी वेदप्रकाश जाटव को झुंझनू से हिरासत में लिया। बाद में जांच पड़ताल कर आरोपी की शिनाक्त होने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि, 3 अक्टूबर को ग्रामीण क्षेत्र निवासी पीडित महिला ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने व फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। बाद में पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मेट्रो की पार्किंग में वसूल रहे 20 रुपए

मानसरोवर और न्यू आतिश मार्केट स्टेशन पर 350 बाइक और 120 कारों की पार्किंग; तय शुल्क से 4 गुना वसूली

द अनकवर्ड अपडेब

जयपुर। मेट्रो स्टेशनों की पार्किंग में वाहन खड़ा करना यात्रियों की जेब पर भारी पड़ रहा है। मानसरोवर और न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में दोपहिया वाहनों से 8 घंटे तक के लिए निर्धारित 5 रु. की जगह 20 रु. वसूलने के आरोप हैं। दोनों स्टेशनों की पार्किंग में 350 बाइक, 120 कारें और 10 से 20 बसें खड़ी होती हैं। हैरानी की बात यह है कि पार्किंग की पर्ची पर भी निर्धारित शुल्क 5 रु. लिखा होता है, लेकिन कर्मचारी इसे मिटाकर 20 रु. वसूलते हैं। विरोध करने पर यात्रियों से अभद्रता करते हैं और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। मेट्रो से आगे सफर करने की जल्दबाजी और दूसरे विकल्प के अभाव में यात्री मजबूरन अतिरिक्त राशि देकर निकल जाते हैं। इतना ही नहीं, वाहन निकालते समय कर्मचारी पार्किंग की पर्ची वापस लेकर फाड़ देते हैं।



मदन राठौड़ बोले-सभी जिलों में प्रमुख का चुनाव लड़ेंगे

हार के जिम्मेदारों को लेकर कहा- हम भी बचे हुए नहीं है, सब पर कार्रवाई होगी

जयपुर। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि पार्टी सभी 37 जिलों में जिला प्रमुख का चुनाव लड़ेगी। हम कोई भी स्थान क्यों छोड़ेंगे। चुनाव हर परिस्थिति में हमको लड़ना है। हम अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेंगे। जो भी स्थिति होगी, उसका मुकाबला करेंगे। हार की समीक्षा के बाद जिला प्रभारियों पर कार्रवाई के सवाल पर मदन राठौड़ ने कहा- हम भी बचे हुए नहीं है, सब पर कार्रवाई होगी। वहीं, सत्ता-संगठन में फेरबदल के सवाल पर मदन राठौड़ ने कहा- हमारा काम है, जिस मोर्चे पर सैनिक को भेजा जाए। वहां उस मोर्चे पर अपना दायित्व निभाएं। यह सेनापति का काम है कि किस मोर्चे पर किसको भेजना है।

ऑटो में बैठी युवती का पुलिस कॉन्स्टेबल ने किया पीछा

युवती ने वीडियो रिकॉर्ड पर पुलिसकर्मी पर अभद्र-इशारे करने, नंबर मांगने के लगाए आरोप



जयपुर। जयपुर में एक युवती ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर पुलिसकर्मी पर अभद्र व्यवहार करने और परेशान करने का आरोप लगाया है। युवती का दावा है कि मानसरोवर स्थित पैसिफिक मॉल से ऑटो में बैठकर जाते समय एक कार ने उसका पीछा किया। युवती ने आरोप लगाया कि कार में सवार पुलिसकर्मी ने ऑटो चालक से उसका मोबाइल नंबर मांगने के लिए कहा और उसे अभद्र इशारे भी किए। युवती ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो रिकॉर्ड करने और कार का नंबर अपने पास होने की बात भी कही है। घटना रविवार की है। युवती ने घटना का वीडियो 14 घंटे पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। फिलहाल युवती की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। युवती ने वीडियो में कहा कि उसे जयपुर में रहते हुए 20 साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन परसों रात उसके साथ जो हुआ, उसे वह शब्दों में बयां नहीं कर सकती।

राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य — चम्बल में छोड़े गए 20 घड़ियाल हैचलिंग्स

पालीघाट में वैज्ञानिक पद्धति से पुनर्वास की पहल, 80 घड़ियालों की टैगिंग का लक्ष्य,रेडियो टेलीमेट्री से होगी गतिविधियों और उत्तरजीविता की निगरानी

कोटा(वि.सं.)। चम्बल नदी में घड़ियाल संरक्षण एवं वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य के पालीघाट में 20 घड़ियाल हैचलिंग्स को रेडियो/वेरी हाई फ्रीक्वेंसी टैग के साथ प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी.ए. अरुण प्रसाद ने हैचलिंग्स को नदी में पुनर्स्थापित किया। इस दौरान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव एवं क्षेत्र निदेशक रणथम्भौर बाघ परियोजना शारदा प्रताप सिंह, उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक मानस सिंह सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।



मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव एवं क्षेत्र निदेशक रणथम्भौर बाघ परियोजना शारदा प्रताप सिंह ने कहा कि यह पहल घड़ियाल पारिस्थितिकी परियोजना के तहत की जा रही है। इस वर्ष 80 घड़ियालों की टैगिंग कर तीन चरण में पुनर्वास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस क्रम में मंगलवार को प्रथम चरण में 20 हैचलिंग्स को छोड़ा गया है। शेष हैचलिंग्स को फरवरी माह के अन्त तक चम्बल नदी के प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा। रेडियो टेलीमेट्री तकनीक के उपयोग से नदी वातावरण में छोड़े जाने पर इनके विचरण क्षेत्र, गतिविधियों, व्यवहार, प्राकृतिक आवास में अनुकूलन और उत्तरजीविता की निगरानी की जाएगी। इससे घड़ियालों के जीवन-चक्र एवं चम्बल नदी की पारिस्थितिकी को समझने में वैज्ञानिक मदद मिलेगी तथा घड़ियाल संरक्षण के लिए भविष्य में बेहतर कार्ययोजना बनाई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि रेडियो/वेरी हाई फ्रीक्वेंसी टैगिंग से घड़ियालों के प्राकृतिक जीवन एवं आवासीय व्यवहार का अध्ययन संभव होगा। इससे चम्बल नदी की जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के संरक्षण संबंधी प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

वैज्ञानिक देखरेख में हुआ हैचलिंग्स का पालन-पोषण– उप वन संरक्षक मानस सिंह ने बताया कि नवजात घड़ियालों को शुरुआती अवस्था में तेज जल प्रवाह, बाढ़, जंगली जानवरों और मछली पकड़ने के जाल जैसी चुनौतियों से बचाने के लिए पालीघाट स्थित रेयरिंग सेंटर में वैज्ञानिक पद्धति से उनका पालन-पोषण किया गया।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पहुंचीं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज राजापार्क स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आयोजित गुरुपर्व कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने गुरु महाराज जी के चरणों में शीश नवाकर प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की।



इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समस्त प्रदेशवासियों को श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं और आदर्श आज भी समाज को सत्य, सेवा, समानता एवं भाईचारे का संदेश देते हैं।

उन्होंने कहा कि हम सभी को गुरु नानक देव जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए और उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए मानवता, प्रेम एवं सद्भावना को बढ़ावा देना चाहिए।

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की और से उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को तलवार और सभी सिक्ख गुरुओं का चित्र भी भेंट किया।

इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष, श्री अजयपाल सिंह , राजापार्क व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्री रवि नय्यर; गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के सचिव श्री रविंद्र सिंह नरूला और राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन श्री जसबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

वन्यजीवों के संरक्षण के लिए वनतारा ने मेडागास्कर से किया 10 साल का समझौता

तस्करी के शिकार वन्यजीवों की उनके मूल देश में वापसी में मदद करेगा वनतारा

मेडागास्कर के स्थानीय वन्यजीव विशेषज्ञों को देगा प्रशिक्षण

द अनकवर्ड अपडेट





जामनगर। वन्यजीवों के संरक्षण के लिए वनतारा ने मेडागास्कर सरकार के साथ 10 साल का समझौता किया है। इसके तहत विदेशों में जब्त मेडागास्कर के वन्यजीवों की स्वदेश वापसी, इलाज और जहां संभव हो, उन्हें प्राकृतिक आवास में छोड़ने में वनतारा मदद करेगा। इसके साथ ही वनतारा ने भारत के ष्टढ्ढञ्जश्वस् प्रबंधन प्राधिकरण से 19 अगस्त को किया अपना वादा पूरा किया है। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के मुताबिक, केवल मेडागास्कर में पाई जाने वाली लीमर की 90 फीसदी प्रजातियों पर विलुप्त होने का खतरा है। प्राकृतिक आवास का नुकसान और अवैध तस्करी यहां के वन्यजीवों के लिए बड़ी चुनौती हैं। वनतारा वन्यजीवों की स्वास्थ्य जांच, सुरक्षित परिवहन, वैज्ञानिक अनुसंधान और मेडागास्कर के स्थानीय वन्यजीव विशेषज्ञों के प्रशिक्षण में सहयोग करेगा। राष्ट्रीय वन्यजीव बचाव एवं पुनर्वास केंद्र के निर्माण में भी मदद कर सकता है। वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास में छोड़ने का अंतिम फैसला मेडागास्कर सरकार का होगा। वनतारा के सीईओ विवान करानी ने कहा, 'इन प्रजातियों को उनके प्राकृतिक आवास में संरक्षण देना हमारी दस वर्षीय संरक्षण रणनीति के केंद्र में है। हमारी प्राथमिकता वन्यजीवों के मूल देश में उनके संरक्षण के लिए काम कर रहे लोगों और संस्थाओं को मजबूत करना है।

जियो का हैप्पी न्यू ईयर ऑफर: 399 में अनलिमिटेड 4जी-5जी डेटा

399 का नया फ्लैगशिप प्लान, 28 दिनों तक डेटा की नो लिमिट; वॉयस कॉलिंग भी फ्री

3,999 में पूरे साल अनलिमिटेड 4जी-5जी डेटा, कैनवा और जियोहॉटस्टार जैसे डिजिटल बेनिफिट्स भी

दूसरे प्लान्स के लिए 15 और 25 के 5जी ऐड-ऑन, 50 में पूरी रात अनलिमिटेड डेटा

द अनकवर्ड अपडेट



मुंबई। नया साल अभी आया नहीं है, लेकिन जियो अपने ग्राहकों के लिए 'नो डेटा लिमिट' वाला हैप्पी न्यू ईयर ऑफर पहले ही ले आया है। कंपनी ने Happy New Year 2.0 के तहत अनलिमिटेड 4जी और 5जी डेटा वाले नए प्लान लॉन्च किए हैं। सबसे खास है ?399 का नया फ्लैगशिप प्लान, जिसमें 28 दिनों तक बिना डेटा लिमिट के 4जी-5जी इंटरनेट इस्तेमाल किया जा सकेगा। वॉयस कॉलिंग भी फ्री है और रोज 100 SMS मिलेंगे। यानी वीडियो स्ट्रीमिंग हो, गेमिंग या सोशल मीडिया, डेटा खत्म होने की टेंशन नहीं। जियो ने अपनी 10वीं सालगिरह के जश्न को आगे बढ़ाते हुए यह ऑफर पेश किया है। जो लोग हर महीने रिचार्ज कराने से बचना चाहते हैं, उनके लिए जियो ने 3,999 का सालाना प्लान भी पेश किया है। एक बार रिचार्ज कराने पर पूरे 365 दिनों तक अनलिमिटेड 4जी-5जी डेटा मिलेगा। इसमें भी फ्री वॉयस कॉलिंग और रोज 100 एसएमएस की सुविधा शामिल है। दोनों प्लान की खासियत यह है कि इनमें 4जी और 5जी, दोनों नेटवर्क पर अनलिमिटेड डेटा का फायदा मिलेगा। साथ ही एंटरटेनमेंट, डिजाइन और क्लाउड स्टोरेज जैसे डिजिटल बेनिफिट्स भी दिए जा रहे हैं। दूसरे जियो प्लान इस्तेमाल करने वालों के लिए भी खास ऑफर है। ऐसे यूजर्स जिन्हें कुछ समय के लिए ज्यादा डेटा की जरूरत पड़ती है, वे ?15 या ?25 का अनलिमिटेड 5त्न ऐड-ऑन ले सकते हैं। 15 में एक दिन और 25 में दो दिनों तक अनलिमिटेड 5त्न डेटा मिलेगा। कंपनी के मुताबिक इन ऐड-ऑन में डाउनलोड या इस्तेमाल की कोई लिमिट नहीं होगी और स्पीड थ्रॉटलिंग भी नहीं की जाएगी। वहीं, देर रात तक गेमिंग, बिंज-वॉचिंग या काम करने वालों के लिए 50 का नाइट डेटा पैक लाया गया है। इसमें 28 दिनों तक हर रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक अनलिमिटेड 4जी-5जी डेटा मिलेगा। रात में इस्तेमाल होने वाला डेटा मुख्य प्लान के डेटा बैलेंस से नहीं कटेगा। यानी दिन का डेटा बचाकर रात में खुलकर इंटरनेट इस्तेमाल किया जा सकेगा। डिजिटल बेनिफिट्स की बात करें तो ?399 के फ्लैगशिप प्लान में 12 महीने का कैनवा प्रो सब्सक्रिप्शन मिलेगा, जिसकी बताई गई कीमत ?4,000 है। साथ में जियोहॉटस्टार मोबाइल + हॉलीवुड, जियोटीवी के जरिए फैनकोड, जियोगेम्स मोबाइल सब्सक्रिप्शन और जियोएआईक्लाउड पर 50GB फ्री स्टोरेज मिलेगा। जस्टडायल लाइट, हाइपरलोकल कूपन और डिजिटल डायरी जैसी सुविधाएं भी इसमें शामिल हैं। वहीं, ?3,999 के सालाना प्लान में 12 महीने का कैनवा प्रो लाइट, जियोहॉटस्टार, फैनकोड और 50GB क्लाउड स्टोरेज जैसे फायदे मिलेंगे।

399 और 3,999 के नए प्लान 24 नवंबर से मायजियो ऐप, जियो की वेबसाइट और देशभर के जियो स्टोर्स व रिटेलर्स पर रिचार्ज के लिए उपलब्ध होंगे। 25 का 5जी ऐड-ऑन भी इसी दिन आएगा, जबकि 15 वाला पैक पहले से उपलब्ध है। 50 का नाइट डेटा पैक 26 नवंबर से मिलेगा।

500 पन्नों की किताब होने के बाद भी मां ने कुछ बातें इसमें छोड़ दीं...

सोनिया-प्रियंका संग बातचीत का वीडियो शेयर कर बोले राहुल गांधी

● नई दिल्ली,

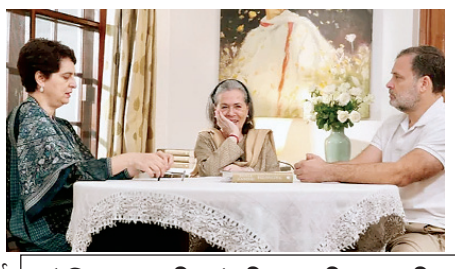

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी और बहन प्रियंका गांधी के साथ बातचीत का एक वीडियो शेयर किया है। इस दौरान सोनिया गांधी की किताब की कवर इमेज, इमरजेंसी के बाद के हालात और कई तरह के पुराने किस्सों पर चर्चा की गई है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, शादी का प्रस्ताव योजना के मुताबिक नहीं हो पाया, और मेरा सातवां जन्मदिन भी वैसा नहीं रहा जैसा सोचा था। 2004 के फैसले से हममें से कुछ लोगों को राहत मिली, तो कुछ को खुशी हुई। पापा की सुरक्षा हटाने के पीछे एक खास मकसद था और 500 से ज्यादा पन्नों की किताब होने के बावजूद, मां ने कुछ बातें इसमें शामिल नहीं की हैं।

सोनिया गांधी बोलीं, राजीव गांधी की सुरक्षा इसलिए हटाई गई ताकि उनकी हत्या हो सके

सोनिया गांधी ने बताया कि राहुल गांधी, जो उस दौरे के दौरान अपने पिता के साथ थे, उन्होंने खुद पत्थरबाजी और विरोध-प्रदर्शन होते देखा था। उन्होंने कहा कि बिहार का दौरा उनकी चिंताओं का मुख्य कारण बना, हालांकि उन्होंने इस मुद्दे को पहले भी उठाया था। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया, राजीव की सुरक्षा इसलिए हटाई गई ताकि उनकी हत्या हो सके।

नागपुर में सीजेपी का संविधान बचाओ प्रदर्शन 26 नवंबर को

अभिजीत और आशुतोष होंगे शामिल

● नई दिल्ली,



कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) एक बार फिर से प्रदर्शन करने वाली है। सीजेपी संस्थापक और संयोजक अभिजीत दीपके और सह-संयोजक आशुतोष रांका नागपुर में प्रदर्शन के लिए साथ आ रहे हैं।

इससे पहले आजाद मैदान में दोनों साथ आए थे और भीड़ बहुत कम आई थी। आजाद मैदान के प्रदर्शन में 50 से भी कम प्रदर्शनकारी शामिल हुए थे। इस बार दोनों संविधान बचाओ के आह्वान को लेकर 26 नवंबर को नागपुर में संविधान चौक पर आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे हैं। सीजेपी द्वारा आयोजित संविधान बचाओ कार्यक्रम शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक चलेगा और इसका मुख्य विषय संविधान बचाओ होगा। चर्चा का केंद्र बिंदु संविधान का महत्व, संवैधानिक मूल्यों का संरक्षण, लोकतंत्र और नागरिकों के दायित्व होंगे। नागपुर सीजेपी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार होगा जब आशुतोष रांका शहर में किसी जनसभा को संबोधित करेंगे।


TNI आवाज़
आपकी आवाज़, आपकी खबर
अपने क्षेत्र की आवाज़ बनें
TNI आवाज़ के साथ जुड़ें!
क्या आप पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं?
क्या आप अपने शहर, कस्बे या गांव की खबरों को देश-दुनिया तक पहुंचाना चाहते हैं?
तो यह अवसर आपके लिए हैं!
अब अपने क्षेत्र से रिपोर्टिंग करने का सुनहरा अवसर!
शहर की खबर
कस्बे की खबर
गांव की खबर
आपकी खबर
मात्र ₹2,000 के मासिक विज्ञापन सहयोग के साथ अपने क्षेत्र से रिपोर्टिंग करने का अवसर।
आपके क्षेत्र की खबरों को प्राथमिकता के आधार पर प्रकाशित एवं प्रसारित करने में सहयोग।
₹2,000 से अधिक के विज्ञापन पर निर्धारित शर्तों के अनुसार 40% तक कमीशन पाने का अवसर।
संस्था की नीति एवं प्रक्रिया के अनुसार आपको आईडी कार्ड, अधिकृत पत्र और माईक आईडी उपलब्ध कराई जाएगी।
अपने क्षेत्र के कारोबार को भी दिलाएं नई पहचान!
एजुकेशन संस्थान (स्कूल, कॉलेज आदि)
व्यापारिक प्रतिष्ठान (दुकान, शोरूम, व्यवसाय)
संस्थागत प्रचार-प्रसार एवं व्यावसायिक विज्ञापन
राजनीतिक इंटरव्यू एवं राजनीतिक विज्ञापन
अपने क्षेत्र के कारोबार और संस्थानों को TNI आवाज़ के डिजिटल एवं मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने के लिए हमसे संपर्क करें।
पत्रकारिता में पहचान बनाएं, अपने क्षेत्र की खबरें उठाएं और स्थानीय व्यवसायों को आगे बढ़ाएं!
TNI आवाज़ अब 16+ OTT प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध!
JioTV
Jio Fiber
TATA PLAY
Jio TV+
airtel Xstream
VI TV
MXPLAYER
dailyhunt
Paytm LIVE TV
shemaroo tv
TATA PLAY DINGE
और अन्य प्रमुख प्लेटफॉर्म पर...
आप हमारा चैनल Jio TV पर चैनल नंबर 2008 पर भी देख सकते हैं।
जल्द ही TATA PLAY और AIRTEL XSTREAM पर भी प्रसारण शुरू होने वाला हैं।
आईडी कार्ड
अधिकृत पत्र
माइक आईडी
सीमित पद उपलब्ध हैं – देर न करें, आज ही संपर्क करें!
संपर्क सूत्र: 8946840063 | 7610866001
ईमेल: hr.tniawaaz.jaipur@gmail.com
TNI आवाज़ — आपकी ख़बर, आपकी पहचान!
आइए, मिलकर अपने क्षेत्र की आवाज को बुलंद करें!

पटाक्षेप

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री से विवाद पर योग गुरु बाबा रामदेव की सफाई

मेरी डांट को उन्होंने शिष्य की तरह प्यार से स्वीकारा

● हरिद्वार



हरिद्वार में योग गुरु बाबा रामदेव ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर चल रहे विवाद पर सफाई दी है। धीरेंद्र शास्त्री के भगवान राम और भगवान कृष्ण को लेकर दिए गए बयानों पर रामदेव ने कड़ी आपत्ति जताई थी। अब मंगलवार को उन्होंने कहा कि इस पूरे विवाद को यहीं खत्म किया जाना चाहिए और इसे आगे तूल नहीं दिया जाना चाहिए।

बाबा रामदेव ने कहा कि उन्होंने विवाद के बीच सोमवार को अपने अनुज और बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री से बात की थी। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान उन्होंने दो बातें रखीं। पहली बात भगवान और देवी-देवताओं की तुलना को लेकर थी। रामदेव ने कहा, देवी-देवताओं और हमारी अवतारी सत्ताओं की तुलना में उनका अनादर या अपमान, इससे हम बहुत अधिक आहत थे। क्योंकि ये हमारी सनातन की परंपरा नहीं है। उन्होंने कहा कि राम, कृष्ण, हनुमान, शिव और भगवती में कोई भेद नहीं है। भगवान के नाम पर जाति, वर्ग और समुदाय के नाम पर भेद समाज को तोड़ता है और इसी बात से वह आहत थे। उन्होंने कहा कि दूसरी गंभीर बात यह थी कि सनातन धर्म को किसी भी पाखंड या अंधविश्वास से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। रामदेव के मुताबिक, सनातन धर्म ईश्वरीय विधान है और इसके मूल्य बहुत ऊंचे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म वैज्ञानिक, सार्वभौमिक और सर्वहितकारी है।

सनातन में सभी के कल्याण की बात

बाबा रामदेव ने कहा कि सनातन धर्म में किसी के प्रति भेदभाव की जगह सभी के कल्याण की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि जाति, वर्ग और समुदाय के नाम पर किसी का अपमान नहीं होना चाहिए. धीरेंद्र शास्त्री से बातचीत का जिक्र करते हुए रामदेव ने कहा, हमारे पूज्य श्रद्धेय बागेश्वर बाबा हमारे अनुज भी हैं और वो हमारे लिए शिष्यवत हैं। और इसलिए जो हमको अनुचित लगा, जिससे हम आहत हुए, तो अधिकारपूर्वक हमने उनको डांट दिया। उन्होंने भी हमारी फटकार को भी प्यार मानकर स्वीकार किया। यह उनकी भी महानता है। तो इसमें किसी भी प्रकार का बवाल नहीं काटना चाहिए। रामदेव ने बागेश्वर बाबा और अपने समर्थकों से भी अपील की कि इस विवाद को आगे न बढ़ाया जाए. उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के समर्थकों का आपस में गुत्थम-गुत्था होना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी का लक्ष्य एक ही है और देश की एकता, अखंडता और सनातन की रक्षा जरूरी है. बाबा रामदेव ने मीडिया से भी अपील की कि अब इस विवाद को यहीं समाप्त समझा जाए।

जवाहर सर्किल थाना

जयपुर-सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

हादसा 16 नवंबर की रात करीब 11:30 बजे एनडब्ल्यूआई ऑफिस के सामने हुआ था। घायल को पुलिस ने एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया था, जहां पांच दिन तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद 21 नवंबर की सुबह करीब 8:30 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान राजकुमार (38) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से झुंझुनूं जिले के गुढ़ा गोडजी क्षेत्र की दरबासा की ढाणी का रहने वाला था और वर्तमान में जयपुर के डी-54, सरस्वती नगर में रह रहा था।

स्वायत्त शासन विभाग

स्वायत्त शासन विभाग ने जारी किए सख्त निर्देश

राजस्थान के सभी शहरों में दुकानों, होटल व मॉल के बाहर डस्टबिन रखना अनिवार्य



जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग (DLB) ने प्रदेश के सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। विभाग के निदेशक एवं विशिष्ट सचिव जुईकर प्रतीक चन्द्रशेखर ने सोमवार (23 नवंबर 2026) को राज्य के समस्त नगरीय निकायों के आयुक्तों एवं अधिशाषी अधिकारियों को आदेश जारी करते हुए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन की अनिवार्य उपलब्धता और सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त डस्टबिन स्थापित करने के निर्देश दिए हैं।

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से लेकर बस स्टैंड व चौराहों तक लागू होंगे ये चार प्रमुख नियम

दुकानों व प्रतिष्ठानों पर स्वयं के स्तर पर रखने होंगे डस्टबिन- आदेश के तहत राज्य के सभी दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट, मॉल, बाजारों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों को अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर स्वयं के स्तर पर पर्याप्त संख्या में डस्टबिन स्थापित करना अनिवार्य किया गया है। सार्वजनिक व भीड़भाड़ वाले स्थलों पर निकाय लगाएंगे डस्टबिन- संबंधित नगरीय निकायों को सार्वजनिक स्थलों, पार्कों, बाजारों, बस स्टैंड, प्रमुख चौराहों, पर्यटन स्थलों, मुख्य सड़कों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त संख्या में डस्टबिन लगाने के निर्देश दिए गए हैं। समयबद्ध कचरा संग्रहण व निस्तारण- स्थापित किए गए सभी डस्टबिनों से नियमित एवं समयबद्ध रूप से कचरे का संग्रहण सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि एकत्रित कचरे का नियमानुसार उचित निस्तारण हो सके।

जयपुर एयरपोर्ट पर बिगड़ा फ्लाइट शेड्यूल

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर एयरपोर्ट से स्पाइसजेट की उड़ानों का संचालन लगातार प्रभावित हो रहा है। मंगलवार को भी एयरलाइन की दुबई और मुंबई की उड़ानें कैंसिल रहीं। इनमें इंटरनेशनल रूट की दुबई फ्लाइट स्त्र-5123 और स्त्र-5124 के साथ घरेलू रूट की मुंबई फ्लाइट SG-701 और स्त्र-702 शामिल हैं। दोनों रूट की उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

बेअसर होती एंटीबायोटिक, इलाज के सामने नई चुनौती

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने संक्रमणों पर नियंत्रण पाने के लिए एंटीबायोटिक के रूप में एक बड़ा हथियार हासिल किया था। कभी जानलेवा माने जाने वाले कई बैक्टीरियल संक्रमण इन दवाओं से आसानी से ठीक होने लगे। लेकिन अब यही उपलब्धि खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। बैक्टीरिया दवाओं के असर से बचने के तरीके विकसित कर रहे हैं और इलाज की स्थापित व्यवस्थाएं कमजोर पड़ रही हैं। चिंता केवल नई दवाएं खोजने की नहीं, बल्कि उन दवाओं की प्रभावशीलता बचाए रखने की भी है, जिन पर आज दुनिया की स्वास्थ्य व्यवस्था निर्भर है।

> **दुनिया में बैक्टीरियल संक्रमणों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाओं का असर लगातार घट रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में हर छह बैक्टीरियल संक्रमणों में से एक दवा प्रतिरोधी पाया गया। राष्ट्रीय योजनाएं बनने के बावजूद संसाधनों, जांच और निगरानी की कमी इस वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती को गंभीर बना रही है।**

दुनिया में एंटीबायोटिक दवाओं का प्रभाव कम होना अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की नई रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2023 में दुनिया भर में प्रयोगशालाओं में पुष्टि किए गए हर छह बैक्टीरियल संक्रमणों में से एक एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोधी पाया गया। इसका अर्थ है कि संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया पर सामान्य रूप से इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं का असर नहीं हो रहा है। ऐसे में मरीज को सही इलाज मिलने में देरी हो सकती है और बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। इस स्थिति को रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस कहा जाता है। इसमें बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और परजीवी जैसे सूक्ष्मजीव उन दवाओं के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं, जिनका इस्तेमाल उनके कारण होने वाले संक्रमणों के इलाज में किया जाता है। हालांकि मौजूदा रिपोर्ट में सामने आया प्रमुख आंकड़ा बैक्टीरियल संक्रमणों और एंटीबायोटिक प्रतिरोध से जुड़ा है। यह समस्या इसलिए गंभीर है क्योंकि जिन दवाओं से संक्रमणों पर नियंत्रण पाया जाता था, उनके बेअसर होने से सामान्य इलाज भी जटिल हो सकता है।

योजनाएं बढ़ीं, लेकिन अमल की रफ्तार धीमी

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के देशों ने इस चुनौती को पहचानते हुए नीतिगत स्तर पर कदम तो उठाए हैं, लेकिन उन्हें लागू करने की क्षमता अभी सीमित है। वर्ष 2026 में 183 देशों ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध से निपटने की अपनी तैयारियों की जानकारी दी। इनमें से 173 देशों ने बताया कि उन्होंने इस समस्या से मुकाबले के लिए राष्ट्रीय कार्ययोजना तैयार की है। वर्ष 2017 में ऐसे देशों की संख्या केवल 79 थी। यानी कुछ वर्षों में योजनाएं बनाने वाले देशों की संख्या दोगुने से भी अधिक हो गई है। इसके बावजूद केवल 22 प्रतिशत देशों ने बताया कि उनके पास इन योजनाओं को पूरी तरह लागू करने के लिए पर्याप्त धन और संसाधन उपलब्ध हैं। यही इस चुनौती का सबसे बड़ा अंतर है। नीतियां और रणनीतियां बनाना एक बात है, लेकिन अस्पतालों में बेहतर जांच व्यवस्था, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, दवाओं की निगरानी और संक्रमण नियंत्रण के लिए लगातार निवेश करना दूसरी बात है। संसाधनों की कमी के कारण कई देशों में योजनाओं का लाभ स्वास्थ्य सेवाओं तक पूरी तरह नहीं पहुंच पा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने भी इस बात पर जोर दिया है कि केवल राष्ट्रीय योजनाएं बना लेने से मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती। इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निवेश और ठोस कार्रवाई जरूरी है। यानी इस लड़ाई में राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी क्षमता भी मजबूत करनी होगी।

जांच की कमी से बढ़ रही मुश्किल

रोगाणुरोधी प्रतिरोध से निपटने के लिए सबसे जरूरी है कि संक्रमण की सही पहचान हो और यह पता लगाया जा सके कि कौन-सी दवा उस पर प्रभावी होगी। लेकिन दुनिया के अधिकांश देशों में इस दिशा में पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, केवल 36 प्रतिशत देशों में ऐसी राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशालाएं मौजूद हैं, जहां चुनिंदा बैक्टीरिया और फंगस में दवा प्रतिरोध की जांच की जा सके। वर्ष 2030 तक यह क्षमता 80 प्रतिशत देशों में विकसित करने का वैश्विक लक्ष्य है। जांच की कमजोर व्यवस्था का सीधा असर मरीजों के उपचार पर पड़ता है। कई बार संक्रमण के वास्तविक कारण और दवा के प्रभाव की जानकारी के बिना एंटीबायोटिक दे दी जाती है।

रीमान परिकल्पना, लेवेंट अल्पोगे और एआई का गणितीय युग



निहार गार्गव
पोस्ट-डॉक्टरेट रिसर्चर (संख्या सिद्धांत), पेरिस साक्ले यूनिवर्सिटी, फ्रांस

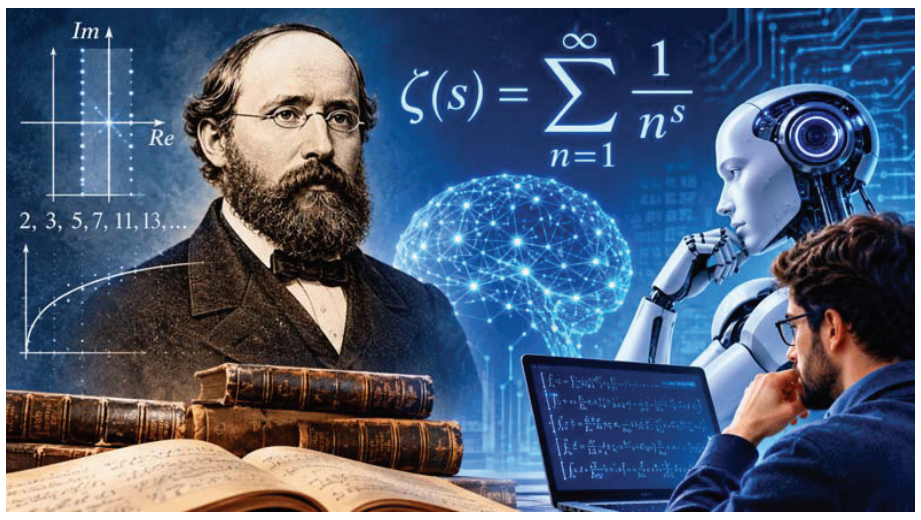

रीमान परिकल्पना क्या है?

रीमान परिकल्पना गणित का एक बहुत प्रसिद्ध सवाल है। इस सवाल की जड़ें महान गणितज्ञ गाउस के प्राइम नंबरों (अभाज्य संख्या) पर किए गए काम तक जाती हैं। 19वीं सदी में गाउस ने अपने हाथों से गिना कि 100 से कम कितने प्राइम नंबर हैं, 1000 से कम कितने, 10000 से कम कितने, और इसी तरह आगे भी। इन गिनतियों से उन्होंने एक क्रम पहचाना कि किसी संख्या × से कम प्राइम नम्बरों की गिनती मोटे तौर पर ×/log(×) के अनुपात में बढ़ती है।

गाउस के इस अनुमान के पीछे का कारण समझाने में रीमान ने एक असाधारण कदम उठाया। उन्होंने कॉम्प्लेक्स नम्बरों पर परिभाषित रीमान ज़ीटा फ़ंक्शन का उपयोग किया। हैरानी की बात यह थी कि इस फ़ंक्शन में प्राइम नम्बरों के बारे में वे सभी गहरी जानकारियाँ छिपी थीं, जिन्हें हम जानना चाहते थे। इस रीमान ज़ीटा फ़ंक्शन से फिर गाउस की गणना का राज़ खुला। रीमान का प्रश्न यह था कि गाउस के अनुमान में त्रुटि कितनी है। 1859 में रीमान ने अपने रीमान ज़ीटा फ़ंक्शन को देखकर सोचा कि यह ऐरर लगभग × के वर्गमूल के स्तर की होनी चाहिए। यह एक बेहद मजबूत आकलन था जिसे हम तब से रीमान परिकल्पना कहते हैं।

शुरू में यह संख्या-सिद्धांत का विशेष प्रश्न लग सकता था। धीरे-धीरे गणितज्ञों को पता चला कि यह तकनीक उससे बहुत आगे जाती है। किसी विशेष गिनती को किसी कॉम्प्लेक्स फ़ंक्शन से जोड़ने का विचार क्रिप्टॉग्रफी, ज्यामिति, भौतिकी और अनेक जगह दिखाई देने लगा। अलग-अलग क्षेत्रों में ज़ीटा फ़ंक्शन और उनसे जुड़ी रीमान परिकल्पना के सिद्धांत बनते गए। इस तरह एक प्रश्न ने गणित के दूर-दूर फैले क्षेत्रों को एक-दूसरे से जोड़ दिया और पूरे गणित के भीतर उसकी भूमिका बढ़ती गई।

इसका महत्व हिल्बर्ट से जुड़े प्रसिद्ध कथन से भी समझा जा सकता है-यदि वे हजार वर्ष बाद लौटें, तो सबसे पहले पूछेंगे कि रीमान परिकल्पना हल हुई या नहीं। क्ले मैथेमैटिक्स इंस्टिट्यूट ने इसे अपने प्रसिद्ध मिलेनियम प्राइज प्रॉब्लम्ज में रखा और उस पर एक बड़ा नकद पुरस्कार भी निर्धारित किया। लेकिन पैसे से ज्यादा महत्व इस बात का है कि इसे आधुनिक गणित के सबसे गहरे खुले प्रश्नों में माना जाता था।

लेवेंट अल्पोगे का दावा

लेवेंट अल्पोगे गणितज्ञ हैं और अपने संख्या-सिद्धांत के काम के लिए पहले से जाने जाते थे। लार्ज लैंग्विज मॉडल्ज (एलएलएम) के आगमन के साथ उनका करियर एक नई दिशा में मुड़ा। वे गणित से निकलकर एंथ्रोपिक नामक संस्थान से जुड़े, जहाँ क्लॉड एआई के विकास में उनका योगदान रहा। वे प्री-ट्रेनिंग में काम करते हैं-उस चरण में, जहाँ इंटरनेट से प्राप्त विशाल ट्रेनिंग डेटा को साफ और उपयोगी बनाया जाता है ताकि मॉडल्ज़ को प्रशिक्षित किया जा सके। इस बदलाव ने उन्हें नए मॉडल्ज़ के साथ निकटता से काम करने और गणितीय प्रश्नों के साथ प्रयोग करने का अवसर भी दिया।

लेवेंट अल्पोगे के हाथों में ऐसे ऐसे क्लॉड के वर्ज़न होते हैं जो सार्वजनिक नहीं होते। अल्पोगे एक प्रभावशाली गणितज्ञ होने के साथ ही कुछ महीनों से इस उपलब्धि के चलते गणित के बहुत पुराने सवालों के हल बताते आ रहे हैं। अब आखिर उन्होंने क्लॉड के ज़रिए रीमान परिकल्पना का हल भी खोज लिया। 20 नवम्बर को रीमान परिकल्पना के प्रमाण को साझा करते वक्त उन्होंने कहा "I believe I have, working with Claude, discovered a proof of the Riemann Hypothesis."

AI और गणित

इस घटना को हाल ही में बढ़ती हुई एआई कम्पनियों की प्रतिस्पर्धा के बारे में बात किए बिना नहीं समझा जा सकता। अल्पोगे जैसे गणितज्ञों और उनसे जुड़े मॉडल्ज के काम को ओपन एआई जैसी प्रतिस्पर्धी कम्पनियों की गणितीय उपलब्धियों के साथ देखा जाना चाहिए। ओपन एआई ने भी अपने एलएलएम चैट जीपीटी के ज़रिए गणित की बड़ी समस्याओं पर अपने हल सामने रखे हैं। कुछ ही समय पहले नावियर स्टोक्स, जो कि एक और मिलेनियम प्राइज़ प्रॉब्लम है, पर जुड़े विषय पर भी इनके बीच दावे और विवाद हुए थे। उस विवाद में भी अल्पोगे का नाम जुड़ा था।

यह माहौल गणित की शांतिप्रिय संस्कृति जैसा कम और एआई कंपनियों के बीच युद्ध जैसा ज़्यादा लगता है। बड़ी तकनीकी कंपनियाँ इन दावों में भारी धनराशि लगा रही हैं। सिर्फ एक कठिन सवाल हल होना उद्देश्य नहीं रह गया; यह भी दिखाना उद्देश्य बन गया है कि किस कंपनी का मॉडल कितना अच्छा है। इसलिए अल्पोगे के प्रूफ का महत्व गणितीय विचारों के साथ-साथ इस नई प्रतिस्पर्धा और उसके प्रदर्शन से भी जुड़ा है।

इस प्रमाण के साथ एक और पुरानी परंपरा टूटती दिखाई दी—प्रमाण को सादगी से इंसानों को समझाने की परंपरा। अल्पोगे ने अपना प्रूफ लीन भाषा में प्रस्तुत किया। लीन कम्प्यूटर की भाषा है, जिसमें गणितीय तर्क को कोड के रूप में एआई द्वारा लिखा जाता है और कंप्यूटर से ही जाँचा जा सकता है। चिंता यह नहीं कि कंप्यूटर इसे समझ सकता है; चिंता यह है कि सामान्य गणितज्ञ या मानव पाठक के लिए यह प्रस्तुति समझने में कितनी आसान है। प्रमाण तो रख दिया गया, लेकिन क्या उसकी पूरी जानकारी मनुष्य के लिए लिखी गई?

एसोसिएशन फ़ॉर ह्यूमन मैथेमैटिक्स ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए गणित के उद्देश्य का सवाल उठाया-"This corporate model of proof production seems to be designed to e&cuse humans from responsibility for scientific work." इसका अर्थ यह है कि गणित मात्र सही कथनों या मशीन के ज़रिए जाँचे गए निष्कर्षों का संग्रह नहीं होना चाहिए। वह मनुष्य के लिए और मनुष्य की भलाई के लिए होना चाहिए।

अगर पूरी प्रक्रिया में इंसान की कोई वास्तविक भूमिका नहीं रहती-न वह प्रश्न चुनता है, न रास्ता समझता है, न परिणाम को ग्रहण करने में भागीदार बनता है—तो हम गणित की मानवीय कला को धीरे-धीरे कमज़ोर कर सकते हैं। इसे अर्थशास्त्र में "gradual disempowerment" (धारावह शक्तिहीनता) कहा जाने लगा है- ऐसी प्रक्रिया जिसमें मनुष्य एकाएक बेकार नहीं हो जाते, लेकिन समय के साथ उनकी समझ, भागीदारी और नियंत्रण घटते चले जाते हैं। डर यह है कि यदि एआई सब कुछ कर देगा, तो मनुष्य क्या करेगा? मनुष्य की भूमिका केवल मशीन के काम को देखना, उसकी घोषणा स्वीकार करना और उससे आए परिणाम का उपभोग करना रह जाएगी?

और यह सवाल गणित तक सीमित रहने वाला नहीं है। आज यह बहस रीमान परिकल्पना, लीन कम्प्यूटर लैंग्विज और एआई मॉडल्ज़ के माध्यम से खुल रही है, लेकिन वही बदलाव धीरे-धीरे दूसरे पेशों में आने की पूरी संभावना है। प्रत्येक क्षेत्र को तय करना होगा कि ऑटोमेशन से उसकी उत्पादकता बढ़ानी है और मनुष्य को प्रक्रिया से बाहर करना है या मशीन की मात्र सहायता लेनी है और अपनी समझ का नियंत्रण उसे पूर्ण रूप से नहीं सौंप देना है।



इंसुलिन के सौ साल बाद भी इलाज सबकी पहुंच से दूर

चिकित्सा विज्ञान की दुनिया में इंसुलिन की खोज को एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जाता है। इसने टाइप-1 मधुमेह को जानलेवा स्थिति से ऐसी बीमारी में बदल दिया, जिसके साथ मरीज लंबे समय तक जीवन जी सकते हैं। लेकिन विज्ञान की इस सफलता का लाभ आज भी सभी तक समान रूप से नहीं पहुंचा है। कहीं इंसुलिन महंगा है, तो कहीं जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन की नई पहल ने बीमारी के इलाज के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच का सवाल भी सामने रखा है। इंसुलिन की खोज को सौ साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन टाइप-1 मधुमेह से जूझ रहे लाखों लोगों के लिए यह दवा आज भी जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। इस बीमारी में शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता। ऐसे मरीजों को रक्त में शर्करा का स्तर नियंत्रित रखने के लिए नियमित रूप से इंसुलिन लेना पड़ता है। उपचार में थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। इसके बावजूद दुनिया के अनेक हिस्सों में मरीजों को न तो सस्ता इंसुलिन मिल पा रहा है और न ही नियमित जांच की पर्याप्त सुविधा। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वयस्कों में टाइप-1 मधुमेह के निदान और उपचार के लिए पहली बार विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनका उद्देश्य केवल विकसित देशों के बड़े अस्पतालों तक उपचार को सीमित रखना नहीं, बल्कि गरीब देशों, सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों और युद्ध या आपदा से प्रभावित इलाकों में भी मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद करना है।

बढ़ रही है मरीजों की संख्या

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया भर में करीब 95 लाख लोग टाइप-1 मधुमेह के साथ जीवन जी रहे थे। इसी वर्ष लगभग पांच लाख नए मरीजों की पहचान हुई। आमतौर पर इस बीमारी को बच्चों और किशोरों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन वयस्क भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में वयस्क मरीजों के निदान और उपचार के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

टाइप-1 मधुमेह में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अग्न्याशय की उन कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है, जो इंसुलिन बनाती हैं। परिणामस्वरूप शरीर में इंसुलिन का उत्पादन बहुत कम या बंद हो जाता है। इंसुलिन एक महत्वपूर्ण हार्मोन है, जो रक्त में मौजूद ग्लूकोज को शरीर की कोशिकाओं तक पहुंचाने में मदद करता है। इसकी कमी से रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ने लगता है। इस स्थिति में मरीज को नियमित इंसुलिन लेना पड़ता है। यह उपचार का विकल्प मात्र नहीं, बल्कि जीवन बनाए रखने की अनिवार्य जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की नई गाइडलाइन में दिन में कई बार इंसुलिन लेने और रक्त शर्करा के स्तर के अनुसार उसकी खुराक में बदलाव करने की सलाह दी गई है। इसके लिए मरीज की स्थिति और जरूरत के अनुसार उपचार तय करना महत्वपूर्ण है।

सपा-कांग्रेस गठबंधनः सीटों के पेच में उलझती 2027 की सियासी राह

उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी मुकाबला केवल सत्ता हासिल करने का संघर्ष नहीं होता, बल्कि इसके परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करते हैं। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर शुरू हुई खींचतान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। %इंडिया% गठबंधन के दोनों प्रमुख दलों के बीच 17 नवंबर को प्रस्तावित औपचारिक बैठक का टलना इस बात का संकेत है कि चुनावी तालमेल की राह इतनी आसान नहीं है, जितनी सार्वजनिक मंचों से दिखाई जा रही है।

बैठक टलने के पीछे समन्वय समितियों के गठन और शुरुआती तैयारियों का तर्क दिया जा रहा है, लेकिन असली चुनौती सीटों की संख्या और उनके चयन को लेकर है। कांग्रेस जहां उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से करीब 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, वहीं समाजवादी पार्टी उसे 50 से 80 सीटों के दायरे में रखने की पक्षधर बताई जा रही है। दोनों दलों की मांग और रणनीति में इतना बड़ा अंतर है कि सहमति का रास्ता तलाशना नेतृत्व के लिए आसान नहीं होगा।

लोकसभा चुनाव के नतीजों से कांग्रेस का बढ़ा आत्मविश्वास-कांग्रेस की बढ़ी हुई दावेदारी के पीछे 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम प्रमुख आधार हैं। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत दर्ज की थी। दोनों दलों के संयुक्त प्रदर्शन ने भाजपा के सामने मजबूत चुनौती पेश की और विपक्षी गठबंधन को नई राजनीतिक ऊर्जा दी। कांग्रेस का मानना है कि इस चुनाव के बाद प्रदेश में उसका जनाधार बढ़ा है और कार्यकर्ताओं में नई उम्मीद जगी है।

इसी आधार पर कांग्रेस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 67, अवध क्षेत्र की 51 और बुंदेलखंड की नौ सीटों सहित करीब 181 सीटों की सूची तैयार की है। पार्टी का तर्क है कि लोकसभा चुनाव में मिले जनसमर्थन को विधानसभा चुनाव में भी राजनीतिक हिस्सेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक उपस्थिति को सीमित नहीं करना चाहती। उसे लगता है कि यदि वह कम सीटों पर चुनाव लड़ती है तो प्रदेश में



संगठन के विस्तार और भविष्य की राजनीति पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

सपा के सामने 2022 और 2017 का चुनावी अनुभव-दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी कांग्रेस की दावेदारी को लेकर सहज नहीं है। सपा का आधार 2022 के विधानसभा चुनाव के परिणाम हैं। उस चुनाव में कांग्रेस को केवल दो सीटों पर जीत मिली थी और उसका वोट प्रतिशत 3.84 फीसदी रहा था। ऐसे में सपा नेतृत्व का मानना है कि विधानसभा चुनाव की सीटों का बंटवारा लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन के बजाय विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवारों की वास्तविक स्थिति, संगठनात्मक ताकत और जीतने की संभावना के आधार पर होना चाहिए। सपा के लिए 2017 का अनुभव भी महत्वपूर्ण है। उस समय दोनों दलों ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस को 100 से अधिक सीटें दी गई थीं, लेकिन वह केवल सात सीटों पर जीत हासिल कर सकी। इस प्रदर्शन ने गठबंधन की चुनावी रणनीति पर सवाल खड़े किए थे। सपा नेतृत्व नहीं चाहेगा कि 2027 में भी सीटों के अत्यधिक बंटवारे के कारण भाजपा को राजनीतिक लाभ मिल जाए। दरअसल, विधानसभा चुनाव का गणित लोकसभा चुनाव से अलग होता है। यहां स्थानीय समीकरण, जातीय प्रभाव, बूथ स्तर का संगठन, उम्मीदवार की छवि और कार्यकर्ताओं की सक्रियता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इसलिए केवल पिछले लोकसभा चुनाव के परिणामों के आधार पर सीटों की मांग करना कांग्रेस के लिए पर्याप्त तर्क नहीं हो सकता।

जिताऊ उम्मीदवार ही बनेगा गठबंधन का आधार-सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का %जिताऊ क्षमता% पर जोर इसी राजनीतिक वास्तविकता की ओर इशारा करता है। उनका मानना है कि गठबंधन का उद्देश्य अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि भाजपा को हराना होना चाहिए। जिस विधानसभा क्षेत्र में जिस दल का उम्मीदवार मजबूत स्थिति में हो, उसे ही वहां से चुनाव लड़ने का अवसर मिलना चाहिए। यह रणनीति व्यावहारिक दिखाई देती है, लेकिन इसके सामने भी कई चुनौतियां हैं। किसी सीट पर उम्मीदवार की जीतने की क्षमता का आकलन केवल पिछले चुनाव के नतीजों से नहीं किया जा सकता। बदलते सामाजिक समीकरण, स्थानीय नाराजगी, नए राजनीतिक गठजोड़ और मतदाताओं का रुझान भी परिणाम प्रभावित करते हैं। इसलिए दोनों दलों को सीटवार सर्वेक्षण और जमीनी फीडबैक के आधार पर फैसला करना होगा। कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल, राजेंद्र पाल गौतम, आराधना मिश्रा और इमरान मसूद को शामिल करते हुए पांच सदस्यीय समिति का गठन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब सपा और कांग्रेस की समन्वय समितियों के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह होगी कि वे राजनीतिक दावों के बजाय वास्तविक चुनावी स्थिति के आधार पर बातचीत आगे बढ़ाएं।

एटेरो खनिज कारोबार में 3,000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

ई-कचरा पुनर्चक्रण कंपनी एटेरो की अपने खनिज निष्कर्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। एटेरो के एक अव धिकारी ने बताया कि कंपनी अगले चार वर्षों में अपनी कुल ई-कचरा पुनर्चक्रण क्षमता को चार गुना से अधिक बढ़ाकर 10 लाख टन करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा व कि हम खास तौर पर अगले पांच वर्षों में महत्वपूर्ण खनिज संयंत्र के विस्तार में करीब 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रहे हैं। इसका लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा लिथियम, निकेल में जाएगा। एटेरो का दावा है कि वह सोना, चांदी, तांबा, एल्युमीनियम, निकेल, लिथियम, कोबाल्ट और नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ पृथ्वी खनिजों सहित 22 से अधिक महत्वपूर्ण खनिज निकालती है। उन्होंने कहा व कि इलेक्ट्रॉनिक कचरा पुनर्चक्रण की हमारी मौजूदा क्षमता लगभग 2,25,000 टन सालाना है। हम अगले चार वर्षों में इसे बढ़ाकर 10 लाख टन करना चाहते हैं। हम अगले चार वर्षों में अपने लिथियम और बैटरी पुनर्चक्रण संयंत्र को भी लगभग पांच गुना बढ़ा रहे हैं।

साइबर बीमा को स्मार्ट बनाए भारत-डेलॉयट इंडिया

एआई हमलों से निपटने के लिए वास्तविक समय आधारित जोखिम आकलन जरूरी

नई दिल्ली ।

भारत में बढ़ते डिजिटल जोखिमों के बीच डेलॉयट इंडिया ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट डिफेंडिंग द डिजिटल इंश्योरर में देश की साइबर बीमा कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का आह्वान किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पारंपरिक तरीकों को छोड़ अब उन्हें वास्तविक समय की साइबर खतरे की खुफिया जानकारी पर आधारित जोखिम आकलन अपनाने की सख्त जरूरत है। डेलॉयट ने चेताया है कि साइबर हमलों के बढ़ते दायरे और डिजिटल तंत्र के तेजी से फैलने के कारण पारंपरिक जोखिम आकलन पुराने पड़ गए हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित हमलों की तीव्र गति का मुकाबला करने में मौजूदा तरीके अक्षम साबित हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सटीक प्रीमियम और बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीमा कंपनियों को अब साइबर खतरे की खुफिया जानकारी, व्यवहार संबंधी मानकों और विभिन्न आंकड़ों को शामिल करना होगा। एआई इस बदलाव को और तेज कर रहा है, जिससे स्वचालित धोखाधड़ी और एआई-संचालित हमलों में 1,200 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखी गई है। डेलॉयट दक्षिण एशिया में बीमा क्षेत्र के एक अव धिकारी ने बताया कि भारत का साइबर बीमा बाजार देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था और बढ़ते साइबर जोखिम की तुलना में अभी भी छोटा है। हालांकि वर्तमान में मुख्य रूप से वित्तीय संस्थान और बड़े उद्यम इसे अपना रहे हैं, भविष्य में इसकी वृद्धि डिजिटल भुगतान, क्लाउड प्लेटफॉर्म और आपस में जुड़े तंत्र पर निर्भर छोटे-बड़े व्यवसायों से आने की प्रबल संभावना है।

चाय उद्योग को मिलेगी नई गति, सरकार निर्यात व गुणवत्ता पर केंद्रित

वाणिज्य मंत्री ने हितधारकों के साथ किया अहम मंथन

नई दिल्ली ।

भारत, जो दुनिया में काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक निर्यातक है, अपने चाय उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिम बंगाल के कुर्सेओंग में चाय उद्योग के हितधारकों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना, गुणवत्ता में सुधार करना और चाय श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 988.13 मिलियन डॉलर मूल्य की 282.11 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया था।

यह क्षेत्र देश की कृषि अर्थव्यवस्था और निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस उच्च स्तरीय बैठक में दार्जिलिंग चाय उद्योग के पुनरुद्धार, चाय नीलामी प्रणाली को और अधिक प्रभावी, तेज़ तथा पारदर्शी बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

वाणिज्य मंत्री ने चाय अनुसंधान को सुदृढ़ करने, गुणवत्ता में सुधार लाने और एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) के तहत निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। हितधारकों के साथ व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता बनाते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता बढ़ाने पर भी सहमति बनी, जिसमें तकनीक-आधारित सुधारों और परिचालन दक्षता में वृद्धि पर बल दिया गया।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद,निवेशकों के 6 लाख करोड़ डूबे

सेंसेक्स 1483, निफ्टी 434 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हाव होने से बाजार टूटा। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों को जबरदस्त नुकसान हुआ। इसके अलावा मेटल और ऑयल व गैस शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,483.72 अंक टूटकर 82,435.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला, एनएसई निफ्टी 434.20 अंक की गिरावट के साथ ही 25,366.40 के स्तर के नीचे आ गया। बाजार की इस भारी गिरावट से बाजार पूंजीकरण में 6 लाख करोड़ से भी अधिक का नुकसान हुआ। बाजार के व्यापक रुझान पर नजर डालें तो गिरावट वाले शेयरों की संख्या तेजी वाले शेयरों से कहीं ज्यादा रही। एक्सचेंज पर कुल 2,687 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि केवल 1,450 शेयरों में तेजी देखी गई और 199 शेयर सपाट रहे। इसके अलावा, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी 0.7-0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो बताता है कि बिकवाली का दबाव सभी स्तरों पर था।



लगभग सभी प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा मार निफ्टी मेटल पर पड़ी। आज दिग्गज शेयरों में आई जबरदस्त बिकवाली ने निवेशकों को खासा नुकसान पहुंचाया। टाटा स्टील 8.43 फीसदी की भारी गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान में रहा। इसके अतिरिक्त, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक , हिंडाल्को , एसबीआई , कोटक बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इस बड़ी गिरावट के बीच कुछ खास शेयरों में खरीददारी हावी रही। टीसीएस 3.53 फीसदी की बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे टूटकर 92.85 पर खुला

रुपया शुक्रवार को 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था



मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी व दिन सोमवार को रुपया 93.47 पर खुला और 92.43 तक मजबूत होने के बाद पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ 92.85 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। रुपये ने शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में बढ़त जारी रखी थी और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था। रुपया 10 अप्रैल के बाद पहली बार 93 के स्तर से ऊपर पहुंचा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत गिरकर 103.71 पर रहा।

सोने की कीमत 1,38,460 प्रस ति 10 ग्राम तक पहुंचने का अनुमान

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी देगी सहारा, ब्याज दरें बनेंगी चुनौती

नई दिल्ली ।

वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सक्स ने 2027 के अंत तक सोने की कीमत 4,650 डॉलर प्रति औंस (लगभग 1,38,460 रुपए) तक पहुंचने का नया अनुमान जारी किया है। यह उनके पिछले 4,800 डॉलर के अनुमान से कम है, फिर भी निवेशकों के लिए सोने की चमक बरकरार रहने की उम्मीद है। 20 नवंबर को सोना 1,23,893 रुपए पर बंद हुआ था। बैंक का अनुमान है कि 2027 के अंत तक सोना 4,650 रुपए प्रति औंस तक पहुंचेगा। इसकी कीमतों को केंद्रीय बैंकों, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी से मुख्य सहारा मिल रहा है। पश्चिमी देशों द्वारा रूस के भंडार फ्रीज होने के बाद यह रुझान बढ़ा है, जिससे अन्य देशों को भी अपनी संपत्ति रखने के तरीकों पर पुनर्विचार करना पड़ा। गोल्डमैन को उम्मीद है कि 2026-28 के दौरान केंद्रीय बैंक प्रति माह औसतन 60 टन सोना खरीदेंगे, जो पहले के 17 टन प्रव तिमाह से काफी अधिक है। हालांकि, अमेरिकी मौद्रिक नीति और ऊंची ब्याज दरें सोने के लिए जोखिम खड़ी कर सकती हैं। गोल्डमैन का मानना है कि फेडरल रिजर्व की संभावित दर वृद्धि से निजी निवेशकों की सोने में रुचि घटेगी, क्योंकि इस पर ब्याज नहीं मिलता।

सेबी का एमआईआई प्रमुखों के कार्यकाल की सीमा तय करने का प्रस्ताव

एमडी के लिए एक संस्थान में 8, कुल 12 साल की सीमा, मौजूदा अधिकारियों को 15 साल तक की छूट

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों और डिपॉजिटरी कंपनियों जैसे मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) के शीर्ष अधिकारियों के कार्यकाल को लेकर बड़ा प्रस्ताव रखा है। इसके तहत, मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) के कार्यकाल की अधिकतम सीमा तय की जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक किसी एक एमआईआई में एमडी का अधिकतम कार्यकाल 8 साल होगा, जबकि अलग-अलग संस्थानों में एमडी के तौर पर काम करने की कुल सीमा 12 साल तय की गई है। हालांकि, पहले से इस पद पर काम कर रहे अधिकारियों को कुल 15 साल तक की छूट मिलेगी। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के लिए एक संस्थान में 8 साल और कुल 16 साल की सीमा प्रस्तावित है। वर्तमान में एमडी और ईडी एक संस्थान में अधिकतम 10 साल तक काम कर सकते हैं। इस प्रस्ताव का सीधा असर एनएसई और बीएसई जैसे प्रमुख संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों पर पड़ सकता है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीषकुमार चौहान पहले ही विभिन्न एक्सचेंजों में करीब 14 साल इस पद पर रह चुके हैं। उनका मौजूदा कार्यकाल जुलाई 2027 में समाप्त होगा। यदि यह



प्रस्ताव लागू होता है, तो मौजूदा अधिकारियों के लिए प्रस्तावित 15 साल की कुल सीमा उनके भविष्य के कार्यकाल के लिए अहम होगी। बीएसई में भी नए सीईओ की तलाश जारी है, क्योंकि मौजूदा एमडी और सीईओ सुंदररमन राममूर्ति का कार्यकाल जून 2027 में खत्म हो रहा है। यह बदलाव सीडीएसएल और एमसीएक्स जैसे अन्य एमआईआई को भी प्रभावित करेगा।

टाटा स्टील अपने दो कारोबार एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ में बेचेगी

एपीएल अपोलो को नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर मिलेगा

नई दिल्ली ।

स्टील सेक्टर से जुड़ी एक बड़ी खबर में दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने अपने दो प्रमुख कारोबारों को एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ रुपए के एक बड़े सौदे में बेचने की घोषणा की है। कंपनी बोर्ड ने हाल ही में इस रणनीतिक बिक्री को मंजूरी दी है, जिसके तहत ट्यूब्स कारोबार और कलर कोटेड स्टील से जुड़ी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को हस्तांतरित की जाएगी। यह सौदा टाटा स्टील के लिए अपने कारोबार को व्यवस्थित करने और निवेश का मूल्य प्राप्त करने में महत्वपूर्ण होगा, जबकि एपीएल अपोलो के लिए यह विस्तार का बड़ा अवसर है। इस सौदे के तहत, टाटा स्टील अपने ट्यूब्स कारोबार को अधिकतम 11,700 करोड़ रुपए में बेचेगी, जिसमें स्टील ट्यूब्स, पाइप बनाने, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और बिक्री से जुड़े कार्य शामिल हैं। जमशेदपुर, होसुर, खोपोली और साहिबाबाद की मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां भी इस दायरे में आएंगी। दूसरा बड़ा सौदा 16,300 करोड़ रुपए का है, जिसमें टाटा स्टील अपनी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में टाटा ब्लूस्कोप स्टील) की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को बेचेगी।

इस तरह कुल सौदा 28,000 करोड़ रुपए का है। टाटा स्टील के मुताबिक, इस कदम का मुख्य उद्देश्य अपने डाउनस्ट्रीम कारोबार को व्यवस्थित करना और उसमें किए गए निवेश का मूल्य प्राप्त करना है।

वहीं, एपीएल अपोलो के लिए यह अपने कारोबार के विस्तार और नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर होगा, खासकर ट्यूब्स कारोबार को एपीएल अपोलो के बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का लाभ मिलेगा। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च 2028 तक पूरी होने की उम्मीद है, हालांकि इसके लिए आवश्यक नियामक मंजूरियां लेना बाकी है। इस बड़े अधिग्रहण के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 9 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई ।

भारत के घरेलू निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली तेजी दर्ज की गई। एचएसबीसी के आंकड़ों के मुताबिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन किया और इसमें नौ महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जबकि सर्विस सेक्टर की ग्रोथ थोड़ी धीमी पड़ गई। कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर के 56.2 से बढ़कर नवंबर में 56.3 पर पहुंच गया, जो समग्र आर्थिक सेहत में सुधार का संकेत देता है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत रहा, इसका पीएमआई अक्टूबर के 54.7 से बढ़कर नवंबर में 56.0 पर पहुंच गया, जो नौ महीनों का उच्चतम स्तर है। उत्पादन और नए ऑर्डर ने इस क्षेत्र को गति दी। इसके विपरीत, सर्विस सेक्टर का बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्टूबर के 55.8 से घटकर नवंबर में 55.3 पर आ गया, जिससे इसकी रफ्तार में कमी आई। नवंबर में कंपनियों को नए ऑर्डर मिलने की रफ्तार तेज हुई, खासकर मैन्युफैक्चरिंग में। निर्यात ऑर्डर भी चार महीनों में सबसे तेजी से बढ़े। रोजगार में कुल मामूली बढ़ोतरी हुई। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने सात महीनों में सबसे तेजी से नियुक्तियां कीं, हालांकि, सर्विस सेक्टर में करीब एक साल बाद पहली बार कर्मचारियों की संख्या घटी।

दो बड़े आईपीओ के बीच बिटकॉइन में 23% की गिरावट

क्रिप्टो बाजार से निवेशकों की दूरी

टेक शेयरों की ओर बढ़ रहा निवेश

नईदिल्ली ।

दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में पिछले एक महीने के दौरान करीब 23 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। दो बड़ी कंपनियों एंथ्रोपिक और स्पेसएक्स के आईपीओ की तैयारियों के बीच क्रिप्टो बाजार में यह गिरावट चर्चा का विषय बनी हुई है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, निवेशक क्रिप्टोकरेंसी से पैसा निकालकर टेक्नोलॉजी कंपनियों के शेयरों में निवेश कर रहे हैं। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, एंथ्रोपिक की 19 नवंबर को प्रस्तावित लिस्टिंग से पहले एक महीने में बिटकॉइन की कीमत 22.7 फीसदी तक गिर गई। इससे पहले स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले भी एक महीने में बिटकॉइन में 22.3 फीसदी की गिरावट आई थी। इथेरियम भी इस दौरान दबाव में रहा। इसी तरह इथेरियम में भी एंथ्रोपिक के आईपीओ से पहले 25.3 फीसदी और स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले 28 फीसदी की गिरावट आई थी। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है, इसके पीछे केवल आईपीओ नहीं, बल्कि अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ से भारी निकासी, मुख्य कारण है। निवेशकों की अनिश्चितता, ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और बड़े पैमाने पर ट्रेडिंग पोजिशन का बंद होना भी इस गिरावट के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ से नवंबर में करीब 3.5 अरब डॉलर की निकासी हुई है। आगे क्या होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक, बिटकॉइन के लिए 60 हजार से 62 हजार डॉलर का स्तर बेहद महत्वपूर्ण है।

दो का शेयर बना 368! क्यूपिड ने निवेशकों को बनाया करोड़पति

पांच साल में 17,000 फीसदी से ज्यादा का बंपर रिटर्न

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में किस्मत पलटने वाले शेयरों की कमी नहीं, क्यूपिड लिमिटेड उनमें से एक है। कंडोम और हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स बनाने वाली इस कंपनी के शेयर ने अपने निवेशकों को अप्रत्याशित रूप से मालामाल कर दिया है, एक समय महज 2 रुपये में मिलने वाला यह स्टॉक अब 368 रुपये के पार पहुंच गया है। क्यूपिड लिमिटेड का शेयर पिछले पांच सालों में मल्टीबैगर साबित हुआ है।

26 नवंबर 2021 को जहां इसकी कीमत मात्र 2.13 रुपये थी, वहीं अब यह 368 रुपये के स्तर को छू चुका है। इस दौरान इसने अपने निवेशकों को 17,059.62 फीसदी का अविश्वसनीय रिटर्न दिया है। यदि उस समय किसी निवेशक ने 1 लाख रुपये लगाए होते, तो आज उसकी यह रकम बढ़कर 1.71 करोड़ रुपये से भी अधिक होती। इस तूफानी उछाल से कंपनी का मार्केट कैप भी 49,160 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

यह स्टॉक केवल लंबी अवधि के लिए ही नहीं, बल्कि कम समय में भी निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया है।

पिछले एक साल में शेयर ने 441 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न देकर पैसा पांच गुना किया है। वहीं, छह महीने में ही इसमें 203 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों की रकम लगभग तीन गुनी हो गई।



आईपीएल 2027 की नीलामी में उतरेंगे बेन स्टोक्स सहित कई विदेशी दिग्गज

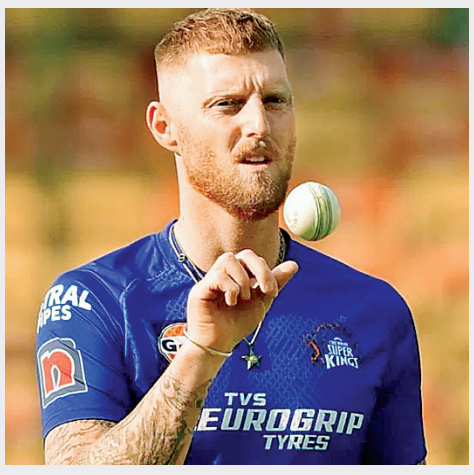

11 बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए दिया है नाम

● नई दिल्ली

आईपीएल 2027 की मिनी नीलामी को लेकर खिलाड़ियों की सूची सामने आ गई है। 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली नीलामी के लिए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट समेत कई बड़े विदेशी खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं, बांग्लादेश के 11 खिलाड़ियों ने भी नीलामी के लिए नाम दिया है, लेकिन तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान इस सूची में शामिल नहीं हैं।

2 करोड़ के बेस प्राइस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान स्टोक्स ने कराया रजिस्ट्रेशन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स आईपीएल नीलामी में आकर्षण का केंद्र रह सकते हैं। उन्होंने अपना बेस प्राइस दो करोड़ रुपये रखा है। स्टोक्स आखिरी बार 2023 में आईपीएल में खेले थे। उस दौरान उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से दो मुकाबले खेले थे। स्टोक्स इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और अब बंद हो चुकी राइजिंग पुणे सुपरजायंट की टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब वह आईपीएल नीलामी में अपनी किस्मत आजमाने उतरेंगे।



बॉल टेंपरिंग विवाद से जुड़े बैनक्रॉफ्ट भी नीलामी में

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी आईपीएल नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। उनका बेस प्राइस 75 लाख रुपये है। बैनक्रॉफ्ट 2018 के बॉल टेंपरिंग विवाद को लेकर चर्चा में रहे थे। हाल ही में उन्होंने इस मामले में अपनी भूमिका को लेकर सफाई दी थी और पैट कमिंस के दावों पर भी प्रतिक्रिया दी थी। 34 वर्षीय बैनक्रॉफ्ट ने अब तक आईपीएल में कोई मुकाबला नहीं खेला है। हालांकि, वह ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में नियमित रूप से खेलते रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने भी नीलामी के लिए अपना नाम दर्ज कराया है। हालांकि, टूर्नामेंट के अधिकांश हिस्से में उनकी उपलब्धता को लेकर आशंका है।

मुस्तफिजुर रहमान का नाम सूची से गायब

आईपीएल नीलामी के लिए बांग्लादेश के कुल 11 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। हालांकि, तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का नाम इस सूची में नहीं है। मुस्तफिजुर को पिछले साल बीसीसीआई के निर्देश पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रिलीज कर दिया था। इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश ने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप से हटने का फैसला किया था।



1220 खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन, 66 स्लॉट खाली

मिनी नीलामी के लिए कुल 1220 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 939 भारतीय और 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। 10 टीमों के पास अधिकतम 66 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए ही जगह खाली है। इनमें विदेशी खिलाड़ियों के लिए 25 स्लॉट निर्धारित हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले खिलाड़ियों में 184 कैप्ड, 994 अनकैप्ड और 42 एसोसिएट देशों के खिलाड़ी शामिल हैं।

▶ दिल्ली के कप्तान प्रियांश आर्या ने 19 छक्के और सात चौके लगाए

प्रियांश की 181 रन की शानदार पारी से दिल्ली ने तमिलनाडु को 116 रन से रौंदा

● इंदौर

दिल्ली के कप्तान प्रियांश आर्या ने मंगलवार को डेली कॉलेज मैदान पर खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ केवल 68 गेंदों में 181 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 19 छक्के और 7 चौके लगाए।

यह पुरुष टी20 क्रिकेट में किसी भारतीय खिलाड़ी को सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर और कुल मिलाकर दूसरा सर्वोच्च स्कोर है । यह 25 वर्षीय सलामी बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के लुआंड्रे गिल्बर्ट प्रिटोरियस के 188 रन के विश्व रिकॉर्ड से केवल सात रन पीछे रह गया। इस विशाल पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु को 116 रनों से हराया ।

केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप-बी के छठे मुकाबले में डेली कॉलेज ग्राउंड पर खेलते हुए बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने महज 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और अंत में 181 रन बनाकर टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी पारी का नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। अपनी इस आतिशी पारी में प्रियांश ने 19 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके जड़े और केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए 67 गेंदों में 152 रन (16 चौके, 9 छक्के) बनाए थे। प्रियांश ने 18 गेंदों पर 50, 36 गेंदों पर 100 और 60 गेंदों पर 150 रनों का आंकड़ा छूआं ।



तमिलनाडु की टीम 159 रन ही बना सकी

दिल्ली ने पहले खेलते हुए प्रियांश आर्या की 181 रनों की पारी की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 275 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया । जवाब में तमिलनाडु की पूरी टीम 18.3 ओवर में 159 रन बनाकर आउट हो गई ।

पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा जीते

होलकर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने सौराष्ट्र को रोमांचक मुकाबले में 7 विकेट से पराजित किया । सौराष्ट्र ने 141 रन बनाए, जवाब में पंजाब की टीम 12.4 ओवर में ही 3 विकेट खोकर 145 रन बनाकर विजयीश्री हासिल की । वहीं डेली कॉलेज मैदान पर खेले गए मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने रेलवे को 4 विकेट से हराया । रेलवे ने पहले खेलते हुए 3 विकेट पर 194 रन बनाए । जवाब में 19.4 ओवर में 6 विकेट पर 196 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया । वहीं होलकर स्टेडियम पर खेले गए दिन-रात के मुकाबले में हरियाणा ने बिहार को 24 रन से हराया। हरियाणा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में बिहरा की टीम 196 रन ही बना सकी।

हिमाचल प्रदेश ने मध्य प्रदेश को नौ विकेट से हराया

मोहाली के पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आईएस बिंद्रा स्टेडियम में हिमाचल प्रदेश ने मध्य प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मध्य प्रदेश की टीम हिमाचल की अनुशासित गेंदबाजी के सामने 15.5 ओवर में 126 रन पर ऑलआउट हो गई। शिवांग कुमार ने 16 गेंदों पर 41 रन की तेज पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। हिमाचल की ओर से मृदुल सुरोच, हर्षित संडल और आर्यमान सिंह धालीवाल ने दो-दो विकेट लिए। 127 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिमाचल की टीम ने शानदार शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज आयुष जमवाल और वैभव शर्मा ने 107 रन की साझेदारी कर जीत लगभग तय कर दी। दोनों ने 58-58 रन बनाए। हिमाचल ने महज 9.2 ओवर में एक विकेट खोकर 127 रन बनाते हुए टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की।

जापान ने मलेशिया को 3-1 से दी शिकस्त

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में जापान की लगातार चौथी जीत



कोरिया ने थाइलैंड को 1-0 से हराया

कोरिया ने थाईलैंड को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल कोरिया की पार्क सेउंगए ने 25वें मिनट में किया। चारों क्वार्टर में थाईलैंड की टीम गोल नहीं कर सकी। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों को कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन थाईलैंड उन्हें गोल में नहीं बदल सका। कोरिया ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए मैच जीत लिया।

● भोपाल

वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में मंगलवार को जापान ने मलेशिया को 3-1 से हराकर लगातार चौथी जीत हासिल की। दिन के पहले मुकाबले में कोरिया ने थाईलैंड को 1-0 से हराया। महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में खेले गए दिन के दूसरे मुकाबले में जापान ने मलेशिया को 3-1 से हरा दिया।



जापान की ओर से मारुयामा निको ने 31वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि मुरायामा हिरोका ने 50वें और हिरामित्सु आइ ने 57वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त 3-0 कर दी। मलेशिया की ओर से अजहेरी अजमायरा ने 50वें मिनट में गोल किया, लेकिन टीम हार नहीं टाल सकी।

प्रशांत भारतीय कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ के अध्यक्ष नियुक्त

आईकेसीए की नई कार्यकारिणी का किया गया गठन

● इंदौर



भारतीय कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ (आईकेसीए) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) एवं चुनाव बैठक का आयोजन दिल्ली में किया गया। बैठक में संघ के आगामी चार वर्षों के कार्यकाल (2026-2030) के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी सुधीर त्रिपाठी द्वारा चुनाव परिणामों की आधिकारिक घोषणा की गई। इस निर्वाचन में प्रशांत कुशवाहा को पुनः भारतीय कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में समीर बलराम मुंगेकर, सुरेश कुमार गुप्ता एवं बीना सुबैर शामिल हैं। बिपिन दास को महासचिव, जबकि बेथनाबेली बलराम नायडू, प्रबजीव सिंह एवं मरिया जान को संयुक्त सचिव निर्वाचित किया गया। प्रशांत सिंह रघुवंशी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भगवानस्वरूप वैष्णव, के. जयाबालन, आशीष भट्टाचार्य, रागिना किरो, मनजीत सिंह एवं नमिता चंदेल निर्वाचित हुए। मनजीत सिंह एवं नमिता चंदेल एथलीट्स कमीशन के प्रतिनिधियों के रूप में भी कार्यकारिणी का हिस्सा होंगे।

तनिषा ने पावरलिफ्टिंग में जीते 4 स्वर्ण पदक

● भोपाल / खेल संवाददाता



दुर्ग में 23 से 27 नवंबर तक पावरलिफ्टिंग इंडिया द्वारा फेडरेशन कप प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश की तनिषा आसनानी ने 69 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 315 किग्रा वजन उठाकर चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। तनिषा ने स्क्वाट में 120 किलोग्राम, बेंचप्रेस में 60 किग्रा तथा डेडलिफ्ट में 135 किलोग्राम वजन उठाकर3 स्वर्ण पदक और ओवरऑल में प्रथम स्थान प्राप्त कर 1 स्वर्ण पदक प्राप्त किया। उन्होंने महज़ 15 वर्ष की उम्र में इस मुकाम को हासिल किया। तनिषा अपने पिता जितेंद्र आसनानी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहीं हैं। तनिषा की मां रेणु भी राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी रह चुकीं हैं।

स्पार्टन्स इलेवन ने स्पोर्ट्स एज भोपाल को लीग मैच में पांच विकेट से हराया

ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति टी20 डे-नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता



● भोपाल / खेल संवाददाता

स्वर्गीय श्री हुकुम सिंह ठाकुर मेमोरियल टूर्नामेंट के लीग मैच में मंगलवार को तीन मुकाबले खेले गये। ओल्ड चैंपियन ग्राउंड में खेले गये पहले मुकाबले में कप्तान अनुराग उइके की महज 43 गेंदों पर खेली गई 73 रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत स्पार्टन्स इलेवन ने लीग मैच में स्पोर्ट्स एज भोपाल को 5 विकेट से मात दी। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी स्पोर्ट्स एज भोपाल 19 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। प्रकाश ने 3 विकेट चटकाए। 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्पार्टन्स इलेवन छठे ओवर तक टीम 46 रन पर 4 विकेट गंवा बैठी। यश रघुवंशी ने पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर टीम को 14.2 ओवर में 143/5 के स्कोर पर जीत दिला दी।

इंदौर के केतन भारतीय स्नूकर टीम में शामिल

● इंदौर



ओमान के मस्कट में आयोजित हो रही प्रतिष्ठित आईबीएसएफ वर्ल्ड कप और इंडिविजुअल स्नूकर चैंपियनशिप में भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं । इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश की ओर से इंदौर के केतन चावला भी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस चैंपियनशिप के टीम इवेंट में भारत ने अपनी दो मजबूत टीमें उतारी हैं । केतन चावला को अनुभवी खिलाड़ियों के साथ टीम बी में शामिल किया गया है । भारतीय टीम ए टीम में पंकज आडवाणी, आदित्य मेहता और बृजेश दमानी तथा बी टीम में केतन चावला, सौरव कोठारी और मलकीत सिंह शामिल है।

प्रशंसा सूर्यवंशी के दोहरे शतक पर सहवाग से लेकर सुरेश रैना तक कई क्रिकेटरों ने की तारीफ, विदेशी पूर्व खिलाड़ी भी हुए भारतीय युवा सनसनी के कायल

वैभव सूर्यवंशी के मुरीद हुए दिग्गज बोले, ऐसा तो वीडियो गेम में भी संभव नहीं

● नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। इतनी कम उम्र में दोहरा शतक जड़कर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

वैभव की इस ऐतिहासिक पारी के बाद पूर्व और मौजूदा भारतीय क्रिकेटरों ने भी उनकी जमकर सराहना की है। वीरेंद्र सहवाग, रविचंद्रन अश्विन, सूर्यकुमार यादव और सुरेश रैना जैसे दिग्गज खिलाड़ी युवा बल्लेबाज के प्रदर्शन से काफी प्रभावित नजर आए।



सहवाग ने कहा, यह ईए स्पोर्ट्स में भी अविश्वसनीय

पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वैभव सूर्यवंशी की पारी की तारीफ करते हुए उनके आंकड़ों का जिक्र किया। सहवाग ने लिखा, ''53 गेंदों में 204 रन और 28 छक्के! ईए स्पोर्ट्स क्रिकेट गेम में भी यह अविश्वसनीय लगता। वैभव सूर्यवंशी क्या कमाल के खिलाड़ी हैं। यह एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाली प्रतिभा है।'

अश्विन ने बल्लेबाजी को बताया अद्भुत

रविचंद्रन अश्विन ने भी वैभव की बल्लेबाजी को अद्भुत बताया। उन्होंने लिखा, ''यह क्या है! अविश्वसनीय। आज पहले प्रियंश और अब यह युवा खिलाड़ी। इन खिलाड़ियों को बल्लेबाजी करते देखना इस बात का विनम्र एहसास कराता है कि क्रिकेट में लगातार कितनी प्रतिभा और क्षमता सामने आती रहती है।''

सूर्यकुमार यादव ने सूर्यवंशी को बताया अपना प्रेरणास्रोत

भारतीय टी20 टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी वैभव की बल्लेबाजी से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने युवा खिलाड़ी की तारीफ करते हुए लिखा, ''वैभव सूर्यवंशी, अब तुम मेरी प्रेरणा हो। क्या खिलाड़ी है!''

सुरेश रैना ने कहा, असाधारण प्रतिभा का धनी है वैभव

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने वैभव को असाधारण प्रतिभा का धनी बताया। उन्होंने लिखा, ''यह शानदार प्रतिभा है। इतनी कम उम्र में दोहरा शतक लगाना वैभव सूर्यवंशी की निडर मानसिकता और असाधारण क्षमता को दर्शाता है। बड़े सपने देखते रहो और चमकते रहो, युवा चैंपियन!''

दिनेश कार्तिक बोले, वीडियो गेम में भी कुछ ऐसा नहीं किया जा सकता

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को तो अब भी वैभव की इस पारी पर यकीन नहीं हो रहा। कार्तिक ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा ''क्या आपने इंडिया ए बनाम यूएई ए मैच के स्कोरकार्ड को देखा है। 250 रन का लक्ष्य इंडिया ए ने 14.2 ओवर में हासिल कर लिया। वैभव ने 53 गेंद में 204 रन की पारी खेली। मैंने कभी भी इस तरह का कुछ नहीं देखा। वैभव ने 53 गेंद से 35 गेंद में चौके और छक्के मारे हैं। वीडियो गेम में ऐसा कुछ नहीं किया जा सकता है। मुझे यूएई के लिए बुरा लग रहा है।

पाकिस्तान के सलमान बट बोले, वैभव जैसा कोई नहीं

वैभव सूर्यवंशी की ऐतिहासिक पारी ने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में भी सुर्खियां बटोरी हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट ने 15 वर्षीय बल्लेबाज की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि मौजूदा समय में दुनिया भर में क्रिकेट खेला जा रहा है, लेकिन इस तरह की पिचों पर जिस अंदाज में वैभव बल्लेबाजी कर रहे हैं, वैसा कोई दूसरा खिलाड़ी नजर नहीं आता।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)
दिन रात
330 = 6 146 = 1
246 = 2 129 = 2
शुभांक
दिन रात
337 = 3 579 = 1
450 = 9 259 = 6
भाग्यांक
2 3 8 0
www.kalyangame.com

संक्षिप्त समाचार

बिना आरोप बताए कैसे रद्द किया ओसीआई कार्ड? अमृत विल्सन के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब



नई दिल्ली, एजेंसी। यूके में रहने वाली लेखिका और पत्रकार अमृत विल्सन का ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड रद करने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार के आदेश पर सवाल उठाया है।

न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के आदेश में, उन पर लगाए गए भारत-विरोधी कामों का कोई जिक्र नहीं है और इस वजह से उन्हें इन आरोपों का जवाब देने का मौका ही नहीं मिल पाया। पीठ ने कहा कि ओसीआई कार्ड रद करने की प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया। अदालत ने कहा कि न तो कारण बताओ नोटिस में और न ही कार्ड रद करने के आदेश में भारत विरोधी कामों के बारे में कोई ठोस जानकारी दी गई। अदालत ने केंद्र सरकार को ताजा कारण बताओ नोटिस जारी कर ओसीआई कार्ड रद करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दे। पीठ ने कहा कि इस पर अमृत विल्सन का जवाब दाखिल करने पर केंद्र सरकार ताजा आदेश जारी करे। विल्सन ने याचिका दायर कर 17 मार्च 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। इसके तहत नागरिकता अधिनियम की धारा सात डी(ई) के तहत उनका ओसीआई कार्ड रद कर दिया गया था। विल्सन का जन्म भारत में हुआ था और वह 1961 तक यहीं रहीं। इसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए यूके चली गई थीं। उन्होंने अपना भारतीय पासपोर्ट सरेंडर कर दिया और 2009 में ब्रिटिश पासपोर्ट ले लिया। पीठ ने कहा कि नागरिकता अधिनियम की धारा सात बी के तहत याचिकाकर्ता के अधिकारों को, उन पर लगे आरोपों का जवाब देने का उचित मौका दिए बिना, छीना नहीं जा सकता।

दिल्ली के जाफराबाद में युवक को अगवा कर चाकू से हमला करने वाले दो शातिर गिरफ्तार, एक फरार



नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में पुरानी रंजिश के चलते युवक को अगवा कर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद अब्बास उर्फ छमिया और समीर के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पेपर कटर भी बरामद कर लिया है। मामले में तीसरा आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर की रात करीब डेढ़ बजे असलम राशिद बिरयानी के पास जाफराबाद में मौजूद था। इसी दौरान बाइक पर अब्बास उर्फ छमिया, समीर उर्फ बाबू और शाकिर पहुंचे। जांच में पता चला कि तीनों असलम को पहले से जानते थे और उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। अब्बास ने करीब डेढ़ साल पहले ब्लेड से हमला करने की पुरानी रंजिश को लेकर उसे धमकी दी। असलम ने वहां से भागने का प्रयास किया, लेकिन तीनों ने उसे पकड़ लिया। अब्बास ने उसकी गर्दन पर चाकू लगा दिया, जबकि बाकी दोनों उसे जबरन बाइक पर बैठाकर ब्रह्मपुरी की गली नंबर 21 ले गए। वहां तीनों ने मिलकर असलम पर चाकू से हमला कर दिया। उसके गर्दन, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई चोटें आईं। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल किसी राहगीर की मदद से जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचा, जहां से उसे जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया। इस मामले में जाफराबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने जांच के दौरान मोहम्मद अब्बास उर्फ छमिया को 20 नवंबर और समीर को 22 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया। दोनों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है।

दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण की खुली पोल, लैंडफिल पर 52 लाख टन से ज्यादा कचरा; 94 प्रतिशत लक्ष्य अधूरे



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार की ओर से बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीन पर किए गए काम की तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के प्रदूषण नियंत्रण संबंधी रिपोर्ट कार्ड में राजधानी की तैयारियों की कई गंभीर खामियां सामने आई हैं।

कूड़े के पहाड़ों का निस्तारण हो या नई कचरा प्रसंस्करण क्षमता तैयार करना, सड़कों की धूल रोकने के इंतजाम हों या पार्किंग की समस्या से निपटना, कई अहम मोर्चों पर दिल्ली निर्धारित लक्ष्य से काफी पीछे है।

कचरा प्रबंधन कार्य चिंताजनक: सबसे चिंताजनक स्थिति ठोस कचरा प्रबंधन की है। दिल्ली में साल 2026 के दौरान कचरा प्रसंस्करण क्षमता प्रतिदिन 650 टन बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन 31 अक्टूबर तक इसमें एक टन की भी बढ़ोतरी नहीं हुई।

यानी उपलब्धि शून्य रही। इसी तरह तीनों लैंडफिल साइटों पर जमा पुराने कचरे के निस्तारण का काम भी लक्ष्य से काफी पीछे है। ओखला में 67 प्रतिशत, भलस्वा में 57 प्रतिशत और गाजीपुर में केवल 42 प्रतिशत कचरे का ही निस्तारण हो पाया है।

रिपोर्ट कार्ड में दिल्ली के लिए निर्धारित 29 कार्यों के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में लक्ष्य और उपलब्धियों का ब्योरा दिया गया है। इसमें वाहनों से होने वाले प्रदूषण, औद्योगिक उत्सर्जन, सड़क की धूल, कचरा प्रबंधन, निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाले मलबे और अन्य प्रदूषण स्रोतों पर नियंत्रण के प्रयास शामिल हैं। आयोग ने राज्यों और दिल्ली सरकार को शेष अवधि में काम तेज करने का अवसर दिया है।

तीनों लैंडफिल पर 52 से 58 लाख टन कचरा निस्तारण बाकी: दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ों की स्थिति रिपोर्ट में सबसे गंभीर तस्वीर पेश करती है। ओखला लैंडफिल पर 27.45 लाख टन कचरे के निस्तारण का लक्ष्य था, लेकिन 18.26 लाख टन ही हटाया जा सका। यहां अभी 9.19 लाख टन का अंतर बाकी है। भलस्वा में 48.42 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले 27.49 लाख टन कचरा हटाया गया।

यहां 20.93 लाख टन का काम बाकी है। वहीं गाजीपुर में 39.12 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले 16.53 लाख टन कचरे का निस्तारण हुआ है। यहां 22.59 लाख टन का अंतर है। तीनों लैंडफिल साइटों पर कुल 114.99 लाख टन कचरे के निस्तारण का लक्ष्य था, जबकि 62.28 लाख टन हटाया जा सका। इस तरह 52.71 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है।

पार्किंग के 94 प्रतिशत लक्ष्य अधूरे: वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए पार्किंग व्यवस्था में सुधार भी दिल्ली की बड़ी चुनौती बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में 266 पार्किंग स्थल विकसित करने का लक्ष्य था, लेकिन 31 अक्टूबर तक केवल 15 ही तैयार हो पाए। यानी लक्ष्य का महज छह प्रतिशत हासिल हुआ है और 251 पार्किंग स्थलों का काम बाकी है।

सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए 2,395 सिटी बसें बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया था। इसके मुकाबले 1,703 बसें ही बढ़ाई जा सकीं। उपलब्धि 71 प्रतिशत रही। हालांकि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाने का लक्ष्य दिल्ली ने पार कर लिया। पांच हजार के लक्ष्य के मुकाबले छह हजार स्टेशन दर्ज किए गए।

सड़क की धूल रोकने के इंतजाम भी अधूरे: सड़कों की धूल दिल्ली में प्रदूषण का बड़ा कारण है। इसके नियंत्रण के लिए बड़े आकार की मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों (एमआरएसएम) की संख्या 35 करने का लक्ष्य था, लेकिन 19 ही उपलब्ध हो पाईं। मध्यम आकार की 57 मशीनों के लक्ष्य के मुकाबले केवल एक मशीन की उपलब्धता दर्ज की गई। यानी इस श्रेणी में लक्ष्य का महज दो प्रतिशत ही हासिल हुआ।

हालांकि छोटे आकार की मशीनों के मामले में चार के लक्ष्य के मुकाबले चारों मशीनें उपलब्ध बताई गई हैं। इससे साफ है कि सड़क की धूल पर नियंत्रण के लिए जरूरी मशीनरी की उपलब्धता में भी एकरूपता नहीं है।

उद्योगों के निरीक्षण में बेहतर, लेकिन कचरा प्रबंधन में शून्य: रिपोर्ट कार्ड में दिल्ली की कुछ उपलब्धियां भी दर्ज हैं। औद्योगिक इकाइयों के निरीक्षण का लक्ष्य 979 था, जबकि 1,609 निरीक्षण किए गए। ऑनलाइन उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण (एपीसीडी) लगाने के मामले में भी निर्धारित लक्ष्य पूरा किया गया। वहीं डीजल जनरेटर सेट के 539 निरीक्षणों के लक्ष्य के मुकाबले 1,296 निरीक्षण किए गए। निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाले मलबे के प्रसंस्करण की क्षमता प्रतिदिन एक हजार टन करने का लक्ष्य भी पूरा किया गया। लेकिन इस मलबे का सरकारी और निजी एजेंसियों की ओर से उपयोग काफी कम रहा।

सरकारी एजेंसियों के लिए निर्धारित 9.90 लाख टन से अधिक के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 2.07 लाख टन मलबे का उपयोग हुआ। निजी एजेंसियों के लिए 12.09 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले करीब 3.08 लाख टन का उपयोग दर्ज किया गया। प्रदूषण कम करने के लिए हरित शवदाह गृह बनाने का लक्ष्य भी पूरा नहीं हुआ। दिल्ली में 49, हरियाणा में 196, राजस्थान में 53 और उत्तर प्रदेश में 123 हरित शवदाह गृह बनाने का लक्ष्य निर्धारित था, लेकिन 31 अक्टूबर तक चारों राज्यों में एक भी तैयार नहीं हुआ। कुल 421 हरित शवदाह गृहों के लक्ष्य के मुकाबले उपलब्धि शून्य रही।

जनवरी में जारी होगा अंतिम रिपोर्ट कार्ड: सीएक्यूएम ने वर्ष 2026 के जनवरी से अक्टूबर तक की उपलब्धियों के आधार पर यह रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि राज्यों और दिल्ली सरकार के पास शेष वर्ष में अपने प्रयास तेज कर स्थिति सुधारने का अवसर है। वर्ष 2026 का अंतिम रिपोर्ट कार्ड जनवरी 2027 में जारी किया जाएगा। %एमसीडी लगातार वायु प्रदूषण के कारकों की पहचान कर उसमें सुधार का कार्य कर रही है। नई 1000 मशीनें सफाई के लिए लगाई गई है। पार्किंगों के निर्माण और कच्चे पार्किंग स्थल को पक्का करने के लिए भी काम जारी है। हमारी पूरी कोशिश होती है कि धूल न उड़े इसके लिए जो-जो कारक है उनको खत्म किया जाए।

चार साल से बैन, फिर भी बाजार में प्लास्टिक ही प्लास्टिक; दिल्ली में धड़ल्ले से हो रहा इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) के खिलाफ कार्रवाई का असर जमीन पर नहीं दिख रहा है।

कागज पर नगर निगम भी सख्त है, प्रदूषण नियंत्रण समिति भी। अभियान चलते हैं, छापे पड़ते हैं, चालान भी कटते हैं, फिर भी साप्ताहिक बाजारों से लेकर सब्जी मंडियों, जूस की दुकानों और रेहड़ी-पटरियों तक प्लास्टिक के थैले, कप, गिलास, स्ट्रा और चम्मच जैसे उत्पाद इस्तेमाल हो रहे हैं।

केंद्र सरकार की ओर से प्रतिबंध लागू किए जाने के चार साल बाद भी यदि ये उत्पाद बाजारों में आसानी से उपलब्ध हैं, तो सवाल सिर्फ नियम तोड़ने वालों का नहीं, बल्कि प्रतिबंध लागू कराने वाली व्यवस्था का भी है। यदि दुकानदारों से प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया जाता है, लेकिन उसकी आपूर्ति करने वाले निर्माता एवं स्टाकिस्ट कारोबार जारी रखते हैं, तो समस्या की जड़ पर चोट नहीं हो पाती। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिक छापेमारी होती है। इसके बाद कारोबार दोबारा शुरू हो जाने और कथित अवैध वसूली की शिकायतों की भी जांच जरूरी है। क्या कार्रवाई के बाद संबंधित इकाइयों की दोबारा जांच होती है? कितनी इकाइयों के खिलाफ चालान, जब्ती, सीलिंग या अभियोजन की कार्रवाई हुई? कार्रवाई के नाम पर वसूली के आरोप सही हैं या नहीं, इसका पता भी पारदर्शी रिकॉर्ड व शिकायतों की जांच से ही चल सकता है। प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल जारी रहने के पीछे सुविधाजनक और सस्ता होने का पहलू भी है। छोटे दुकानदारों के लिए प्लास्टिक के थैलों का विकल्प अपनाना महंगा पड़ सकता है। जबकि ग्राहकों को भी सामान के साथ थैला मिलने की आदत है। वह बाजार जाने से पहले घर से झोला लेकर नहीं निकलते हैं।

दिल्ली में लापता हुए दो बच्चे सकुशल मिले, पुलिस ढाई साल के मासूम को कुछ घंटों में खोज निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तर जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत दो अलग-अलग मामलों में लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को सकुशल तलाश कर उनके परिवारों से मिला दिया। इनमें 15 वर्षीय किशोरी और महज ढाई साल का मासूम बच्चा शामिल है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से दोनों परिवारों ने राहत की सांस ली है।



एएचटीयू की टीम ने लगातार प्रयास किए: पुलिस के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त-प्रथम लोकेश्वरन आर. के मार्गदर्शन और एएचटीयू प्रभारी इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार की निगरानी में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) की टीम ने थाना बवाना पुलिस के साथ समन्वय कर दोनों बच्चों की तलाश की।

पहले मामले में शाहबाद दौलतपुर निवासी 15 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत मिली थी। इस संबंध में थाना शाहबाद डेयरी में 20 नवंबर 2026 को एफआईआर दर्ज की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएचटीयू की टीम ने लगातार प्रयास किए और किशोरी को तलाशने में सफलता हासिल की।

कुछ ही घंटों में बच्चे का पता लगा लिया: इसके बाद उसे सुरक्षित परिजनों के हवाले कर दिया। दूसरे मामले में थाना बवाना पुलिस को ढाई साल के बच्चे के लापता होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और बच्चे की तलाश शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों के त्वरित प्रयासों के चलते कुछ ही घंटों में बच्चे का पता लगा लिया गया।

यमुनापार में दम घोंट रही टूटी सड़कों की धूल, फेल हो रहे प्रदूषण नियंत्रण के दावे

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुनापार में प्रदूषण कम करने के दावे तो खूब किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। कहीं सड़कें टूटी पड़ी हैं तो कहीं किनारों पर मिट्टी के ढेर जमा हैं। इन सड़कों से गुजरते वाहनों के साथ धूल के गुबार उठ रहे हैं और तेज हवा चलने पर यही मिट्टी आसपास के वातावरण में फैल रही है। स्वामी दयानंद मार्ग से लेकर नंद नगरी, दिलशाद गार्डन और कड़कड़डूमा तक यही स्थिति है। सड़कों की धूल तक नहीं थम रही तो प्रदूषण पर लगाम लगाने के दावों पर सवाल उठ रहे हैं। स्वामी दयानंद मार्ग पर सड़क के किनारे जगह-जगह मिट्टी जमा है। सफाई के अभाव में यह मिट्टी सूखकर धूल बन जाती है और हवा के साथ उड़ती रहती है। सड़क से गुजरने वाले वाहनों के कारण भी धूल का गुबार उठता है। नंद नगरी में कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के पास सड़क टूटी हुई है। यहां वाहन गुजरने के दौरान सड़क की उखड़ी सतह से धूल उड़ती है। आसपास आवासीय क्षेत्र और लोगों की आवाजाही होने से समस्या और बढ़ जाती है। दिलशाद गार्डन औद्योगिक क्षेत्र के पास भी सड़क की हालत ठीक नहीं है। सड़क पर जगह-जगह टूट-फूट होने से वाहनों के गुजरने के साथ धूल उड़ती है। वहीं कड़कड़डूमा के पास सड़क और फुटपाथ के क्षतिग्रस्त हिस्सों से भी धूल फैल रही है। फुटपाथ की हालत खराब होने और सड़क किनारे मिट्टी जमा रहने से पैदल चलने वालों को भी परेशानी होती है। प्रदूषण नियंत्रण के लिए सड़कों की नियमित सफाई के साथ उनकी मरम्मत और किनारों पर जमा मिट्टी हटाना जरूरी है।

ब्रिटिश शाही परिवार में तनावः राजा बनते ही हैरी की शाही उपाधियां छीन लेंगे विलियम

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश शाही परिवार में तनाव के बीच एक नई किताब ने दुनियाभर में हलचल मचा दी है। शाही परिवार के मामलों के जानकार और जाने-माने शाही लेखक टॉम साइक्स ने अपनी किताब ड्यूक्स ऑफ हैजर्ड में दावा किया है कि प्रिंस विलियम राजा बनते ही राजशाही में एक क्रांतिकारी बदलाव की योजना बना रहे हैं। नए नियम से उनके नाराज भाई प्रिंस हैरी, उनकी पत्नी मेगन मर्केल और दोनों बच्चों सात वर्षीय आर्ची और पांच वर्षीय लिलिबेट से प्रिंस और प्रिंसेस की उपाधियां छिन जाएंगी। यही नहीं प्रिंस हैरी और उनके परिवार तो एचआरएच (हिज या हर रॉयल हाइनेस) कहलाने का भी अधिकार नहीं रहेगा।



प्रिंस विलियम के बच्चों को खुद फैसले का मिलेगा हक: योजना का असर प्रिंस विलियम के अपने बच्चों पर भी पड़ेगा। विलियम के दोनों छोटे बच्चों 11 वर्षीय प्रिंसेस शार्लट और आठ वर्षीय प्रिंस लुइस को भी बालिग होने पर यह चुनने की आजादी दी जाएगी कि वे राजशाही के अतिरिक्त सदस्यों के रूप में काम करना चाहते हैं या उपाधियां छोड़कर अपना स्वतंत्र करियर बनाना चाहते हैं। वैसे, भविष्य के राजा के रूप में प्रिंस जॉर्ज की भूमिका पहले से तय है, इसलिए उन पर यह नियम लागू नहीं होगा। किताब के अनुसार, प्रिंस ऑफ वेल्स विलियम की इस सोच के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि शाही उपाधियों को जन्म से मिलने वाले किसी विशेषाधिकार के बजाय एक नौकरी वाले पद की तरह बनाया जाए।

ब्रिटेन में गजब का नियमः बच्चों के लिए एआई पर रोक, शिक्षकों को चैटजीपीटी से कॉपियां जांचने की छूट; छिड़ी बहस

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में शिक्षकों को अब परीक्षा के महत्वपूर्ण कोर्सवर्क (गृहकार्य व प्रोजेक्ट कार्य) की कॉपियां जांचने के लिए चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट्स का उपयोग करने की अनुमति मिल गई है। द मेल ऑन संडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस नए दिशानिर्देश की शिक्षाविदों ने कड़ी आलोचना करते हुए इसे बेहद शर्मनाक करार दिया है।

शिक्षाविदों का कहना है कि एक तरफ छात्रों को चेतावनी दी जाती है कि यदि वे कोर्सवर्क तैयार करने के लिए एआई टूल्स का उपयोग करते हैं तो उन्हें सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा। दूसरी तरफ, ब्रिटेन में परीक्षा बोर्डों की निगरानी करने वाली संस्था ज्वाइंट काउंसिल फॉर क्वालिफिकेशंस (जेसीक्यू) ने चुपचाप यह नियम बना दिया है कि शिक्षक कॉपियां जांचने के लिए एआई की मदद ले सकते हैं। लंदन के प्रतिष्ठित गर्ल्स स्कूल सेंट पॉल्स (जहां एआई से कॉपी जांचने पर प्रतिबंध है) के इनोवेशन निदेशक डॉ. विल वैन रेक ने हाल



ही में जारी इस दिशानिर्देश को बेतुका बताते हुए कहा कि यह एक ऐसी लक्ष्मण रेखा को पार करता है जिसे कभी पार नहीं किया जाना चाहिए था।

संदिग्ध व गलत अंक देने की पूरी संभावना: डॉ. वैन रेक ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि फिलहाल इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है कि शिक्षक किन एआई टूल्स का उपयोग कर सकते हैं और न ही शिक्षकों को इनके इस्तेमाल का कोई प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि ये कोई विशेष रूप से तैयार किए गए चैटबॉट्स भी नहीं हैं, शिक्षक छात्रों का कोर्सवर्क चैटजीपीटी या माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट जैसे सामान्य बॉट्स में डालेंगे। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि मुख्यधारा का कोई एआई चैटबॉट कॉपी जांचने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

शिक्षकों को एआई से कोर्सवर्क कराने की छूट मिलेगी: रेक ने परीक्षा नियामक संस्था ऑफक्वाल को चेतावनी देते हुए कहा कि छात्रों द्वारा एआई के दुरुपयोग को लेकर इतनी चिंता जताने के बावजूद मार्किंग के लिए इस्तेमाल की छूट देना दिखाता है कि नियामक संस्था अपनी पकड़ खो रही है। डॉ. वैन रेक ने कहा, यह मूलतः शिक्षकों को एआई में कोर्सवर्क डालने की हरी झंडी देता है, बस एक छोटी-सी शर्त के साथ कि अंतिम निगरानी इन्सान करेगा।

कम नींद के बावजूद तरोताजा रहते हैं बुजुर्ग?

लंदन, एजेंसी। आमतौर पर माना जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ साथ शरीर एवं मस्तिष्क की कार्यक्षमता कम होने लगती है, लेकिन एक नए शोध में दावा किया गया है कि स्वस्थ बुजुर्गों का मस्तिष्क युवाओं की तुलना में नींद की कमी का बेहतर ढंग से सामना कर सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, उम्र बढ़ने के साथ मस्तिष्क में होने वाले कुछ बदलाव उसकी कमजोर होती क्षमता का संकेत नहीं, बल्कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। शोधकर्ताओं ने अपने हालिया अध्ययन में पाया कि स्वस्थ बुजुर्गों का मस्तिष्क कम नींद के कारण होने वाले प्रभावों से निपटने के लिए अपने तंत्रिका नेटवर्क को अलग तरीके से व्यवस्थित करता है। यह बदलाव अगले दिन मस्तिष्क की कार्यक्षमता बनाए रखने में मददगार हो सकता है।

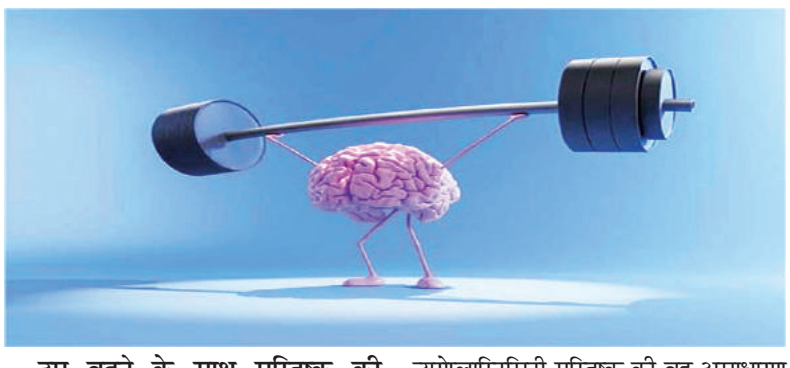

उम्र बढ़ने के साथ मस्तिष्क की अनुकूलन क्षमता: अध्ययन में शोधकर्ताओं ने जीवन के विभिन्न चरणों में मानव मस्तिष्क के नेटवर्क में होने वाले बदलावों का विश्लेषण किया। इसमें विशेष रूप से न्यूरोप्लास्टिसिटी पर ध्यान दिया गया। न्यूरोप्लास्टिसिटी मस्तिष्क की वह असाधारण क्षमता है, जिसके तहत वह अपने तंत्रिका संपर्कों को पुनर्गठित कर अनुभवों और परिस्थितियों के अनुसार खुद में बदलाव करता है। मस्तिष्क में यह क्षमता बचपन, किशोरावस्था और युवावस्था के शुरुआती वर्षों में सबसे अधिक सक्रिय रहती है। हालांकि, स्वस्थ मस्तिष्क में यह क्षमता जीवनभर बनी रहती है और बुजुर्गावस्था में भी उसमें महत्वपूर्ण बदलाव होते रहते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ मस्तिष्क को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इनमें मस्तिष्क की बाहरी परत (कॉर्टेक्स) का पतला होना, मस्तिष्क के आकार में कमी, सफेद पदार्थ (व्हाइट मैटर) के तंत्रिका तंतुओं पर मौजूद सुरक्षात्मक आवरण का क्षतिग्रस्त होना और संज्ञानात्मक क्षमता में गिरावट शामिल हैं। इन बदलावों के कारण अक्सर उम्र बढ़ने को मस्तिष्क के लिए केवल नकारात्मक प्रक्रिया के तौर पर देखा जाता है। हालांकि, मौजूदा शोध बताता है कि मस्तिष्क में होने वाले कुछ बदलाव उम्र से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में सहायक भी हो सकते हैं।

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

राजस्थान अपडेट

— धरोहर, विकास और जनहित की खबर —

| Digital Edition | RJHIN/25/A4779

बुधवार, 25 नवंबर, 2026



उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता विभाग की संयुक्त समीक्षा

ICDS में राजस्थान राष्ट्रीय औसत से आगे, PMMVY में 104% उपलब्धि

बेटी बचाओ में 5.18 लाख लाभान्वित, कौशल विकास और STRI योजना को गति देने के निर्देश

जयपुर(नि.सं.)। उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल अधिकारिता मंत्री श्रीमती दिया कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग (आईसीडीएस निदेशालय तथा महिला अधिकारिता निदेशालय) एवं बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव बाल अधिकारिता श्री दिनेश कुमार, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती पूनम तथा बाल अधिकारिता आयुक्त श्री निकया गोहाएन एवं आईसीडीएस निदेशक श्री वासुदेव मालावत की उपस्थिति में आईसीडीएस और महिला अधिकारिता निदेशालय तथा बाल अधिकारिता विभाग की योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं तथा महिला अधिकारिता निदेशालय की बजट



घोषणाओं और योजनाओं एवं परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों के मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया

1. **राष्ट्रीय औसत से बेहतर:** कुल 62,121 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 99.78% नियमित संचालित (राष्ट्रीय औसत 95%), 25 जिलों में 100% संचालन।

2. **नन्द घर:** 7,500 के लक्ष्य के विरुद्ध अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से 4,085 केंद्र विकसित।

3. **PMMVY में 104% उपलब्धि:** 2.53 लाख लक्ष्य के विरुद्ध 2,66,089 लाभार्थी पंजीकृत, ?96.79 करोड़ वितरित।

4. **किशोरी योजना:** 27 आकांक्षी ब्लॉकों में लागू, 50,000 से अधिक किशोरियों को लाभ।

5. **डिजिटलीकरण:** FRS से THR वितरण 94.54%, APAAR ID में राजस्थान 34.27% (राष्ट्रीय औसत 31.92% से अधिक)।

6. **बुनियादी ढांचा:** 99.24% केंद्रों में पेयजल, 2,287 की मरम्मत पूर्ण, 3,800 केंद्रों के जीर्णोद्धार हेतु ?145.18 करोड़ के तकमीने, 1,204 केंद्रों में बिजली कनेक्शन। केंद्रांश का 83.85त्न उपयोग। खिलौना बैंक, अमावस्या को PAM बैठक और मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन के निर्देश। उप मुख्यमंत्री ने महिला अधिकारिता निदेशालय की लाडो प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

न्यूज इन बॉक्स



जेकेएलयू के दीक्षांत समारोह में 261 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री

पेप्सिको इंडिया के पूर्व चेयरमैन शिवकुमार बोले- एआई की समझ करियर की शुरुआत में दे सकती है बढ़त



जयपुर(नि.सं.)। जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय में 14वें दीक्षांत समारोह और संस्थापक दिवस में विभिन्न संकायों के 261 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इनमें हरि शंकर सिंघानिया स्कूल ऑफ बिजनेस (एचएसबी) के पहले एमबीए बैच के 19 विद्यार्थी भी शामिल रहे। देश के 21 राज्यों और 70 शहरों से आए स्टूडेंट्स ने अपने परिवार और दोस्तों के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाया। समारोह में शिक्षा, तकनीक और बदलते कॉर्पोरेट वर्क कल्चर पर भी चर्चा हुई। मुख्य अतिथि एडवेंट इंटरनेशनल के ऑपरेटिंग पार्टनर और पेप्सिको इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं सीईओ शिव शिवकुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की समझ उन्हें करियर की शुरुआत में ही दूसरों से आगे निकलने का अवसर दे सकती है।



स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्थान में पुण्य स्मृति और सम्मान-दिवस

संस्थापक अध्यक्ष बोले-यह आयोजन दो प्रेरणादायी व्यक्तित्वों की स्मृतियों को साहित्यिक सृजन से जोड़ने का प्रयास

जयपुर(नि.सं.)। स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्थान, जयपुर के तत्वावधान में आज प्रथम पुण्य स्मृति-दिवस एवं सम्मान-दिवस का गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ। यह आयोजन संस्थान की संरक्षक डॉ. (प्रो.) कुसुम शर्मा द्वारा अपने स्वर्गीय पति प्रो. पद्मनाभ शर्मा तथा उनकी पुत्रवधू डॉ. पूजा शर्मा द्वारा अपने स्वर्गीय पति अविरल शर्मा की स्मृति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुराधा माथुर द्वारा माँ सरस्वती की मधुर वंदना से हुआ। मंच संचालन सलोनी क्षितिज ने प्रभावी ढंग से किया। एक वृत्तचित्र में दिवंगत पिता-पुत्र के वीडियो दिखाए गए, जिनके गीतों ने उपस्थित जनों की आँखें नम कर दीं। परिजनों ने वीडियो के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। दिवंगत प्रो. पद्मनाभ शर्मा के शिष्य योगेश अग्रवाल और प्रतिभा अग्रवाल ने अपने संस्मरण साझा किए। डॉ. पूजा शर्मा ने अपने ससुर और जीवनसाथी से जुड़ी भावपूर्ण स्मृतियाँ सुनाई।



उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

मुख्य सचिव ने कहा एनसीआर में प्रदूषण स्तर राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता औसत तक लाने का लक्ष्य

जयपुर(नि.सं.)। वायु गुणवत्ता प्रबंध आयोग के अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राज्य स्तरीय कार्ययोजना के साथ-साथ जिला स्तरीय कार्ययोजना भी तैयार की जाएगी। साथ ही तकनीक का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

वर्मा शासन सचिवालय में एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सुधार एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा के लिए आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोग अध्यक्ष ने कहा कि एनसीआर में प्रदूषण की समस्या गंभीर है। विशेष रूप से भिवाड़ी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने औद्योगिक प्रदूषण, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, सड़क की धूल, निर्माण एवं विध्वंस कचरे, पराली एवं बायोमास जलाने तथा यातायात जाम से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नो पीयूसीसी, नो फ्यूल की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित हो

वर्मा ने एनसीआर क्षेत्र के पेट्रोल पंपों एवं सीएनजी स्टेशनों पर ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरों की स्थापना में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नो पीयूसीसी, नो फ्यूल व्यवस्था के तहत प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र नहीं रखने वाले वाहनों को ईंधन उपलब्ध नहीं कराया जाए। साथ ही इसके लिए प्रभावी मॉनिटरिंग व्यवस्था विकसित की जाए। प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग ने बताया कि एनसीआर क्षेत्र के 362 पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर कैमरों की स्थापना का कार्य प्रगतिरत है।

सप्ताहभर जागरूकता गतिविधियां की

डॉक्टर बोले- एंटीबायोटिक के इस्तेमाल से इम्युनिटी कम हो रही



पाली। एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक और गलत इस्तेमाल आने वाले समय में चिकित्सा जगत के सामने गंभीर चुनौती बन सकता है। इससे बैक्टीरिया दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं और सामान्य संक्रमणों का इलाज भी मुश्किल हो सकता है। महाराणा प्रताप राजकीय मेडिकल कॉलेज और संबद्ध बांगड़ हॉस्पिटल के कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. आर.के. विश्नोई ने विश्व एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (रूक) जागरूकता सप्ताह के दौरान यह बात कही। मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से सप्ताहभर जागरूकता गतिविधियां की गईं। कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. आर.के. विश्नोई ने कहा कि एंटीबायोटिक का विवेकपूर्ण उपयोग केवल डॉक्टरों ही नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।



जिन किसानों की फसल खराब उन्हें मिलेंगे 17 हजार रुपए

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान में सूखे की मार झेल रहे किसानों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। प्रभावित किसान को प्रति हेक्टेयर 8500 रुपए की मदद दी जाएगी। एक किसान को अधिकतम 2 हेक्टेयर की मदद दी जाएगी, यानी किसी भी किसान को अधिकतम 17 हजार रुपए की मुआवजा राशि मिलेगी। यह मुआवजा राशि उन किसानों को मिलेगी, जिनकी फसल में 33त्न से अधिक नुकसान हुआ है। तहसीलदार पटवारियों के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में पात्र किसानों की सूची तैयार करवाएंगे। राज्य सरकार ने 15 जिलों की 92 तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित कर 9,321 करोड़ का राहत पैकेज घोषित किया है। मुआवजे की राशि के लिए फार्मर आईडी तथा ई-केवाईसी जरूरी है।

रेलवे ट्रैक की मरम्मत

जयपुर में आज से दो दिन बंद रहेगा मलवा फाटक:वाहनों की एंट्री नहीं होगी

सांगानेर-शिवदासपुरा के बीच होगा ट्रैक मरम्मत का काम

जयपुर। सांगानेर-शिवदासपुरा के बीच रेलवे ट्रैक की मरम्मत के चलते शिवदासपुरा यार्ड स्थित मलवा फाटक मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार रात 8 बजे तक बंद रहेगा। करीब 36 घंटे तक फाटक बंद रहने से आसपास की कई कॉलोनियों के लोगों को आने-जाने के लिए दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करना होगा। रेलवे की ओर से ट्रैक मेंटेनेंस का काम पूरा होने के बाद फाटक को फिर से खोल दिया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि रेलवे की ओर से समय-समय पर ट्रैक मेंटेनेंस किया जाता है। इसी के तहत मंगलवार को सांगानेर-शिवदासपुरा के बीच ट्रैक की मरम्मत का काम किया जाएगा।

25 नवंबर रात 8 बजे तक बंद रहेगा फाटक

इसके चलते शिवदासपुरा यार्ड में स्थित समपार



फाटक संख्या 64 (मलवा फाटक) को 24 नवंबर सुबह 8 बजे से 25 नवंबर रात 8 बजे तक पूरी तरह बंद रखा जाएगा। इस दौरान फाटक से वाहनों और राहगीरों की आवाजाही नहीं हो सकेगी। आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों, नौकरीपेशा और रोजाना इस रास्ते से आने-जाने वालों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों से जाना होगा।



जोधपुर में कमीशन लेकर ट्रेन के तत्काल टिकट बनवाए,युवक पकड़ा

तीन यात्रियों से लिए 600 रुपए, आरोपी को नोटिस देकर छोड़ा

जोधपुर(वि.सं.)। रेलवे में तत्काल टिकटों की दलाली के मामले में आरपीएफ ने जोधपुर रेलवे आरक्षण केंद्र से युवक को पकड़ा है। युवक को तीन यात्रियों के टिकट बनवाने पर छह सौ रुपए कमीशन देने का लालच दिया गया था। टीम ने 2,280 रुपए कीमत के टिकट जब्त किए हैं। आरपीएफ के उप निरीक्षक धर्मेन्द्र और मंडल वाणिज्य निरीक्षक रतनसिंह ने आरक्षण केंद्र पर संयुक्त जांच अभियान चलाया। इस दौरान तत्काल टिकट बनवाकर जा रहे शोयल उर्फ शाहिद (18) को रोककर पूछताछ की गई। जांच में सामने आया कि युवक ने कमीशन के लालच में तीन यात्रियों के तत्काल टिकट बनवाए थे।

सड़क हादसे में मौत

मंदिर जा रहे लेबर इंस्पेक्टर पिकअप के नीचे दबे, मौत:फरवरी में शादी थी

अलवर (वि.सं.)। खैरथल-तिजारा जिले के गोठड़ा में मंदिर जाते समय लेबर इंस्पेक्टर योगेश कुमार लवानिया (28) की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा सोमवार (23 नवंबर) की शाम को हुआ। जानकारी के अनुसार योगेश स्कूटी से गांव के मंदिर जा रहे थे। गोठड़ा के पास एक पिकअप की चपेट में आ गए। गंभीर हालत में उन्हें अलवर के प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत



हो गई। ककराली (खैरथल-तिजारा) गांव के रहने वाले लवानिया की फरवरी में शादी थी। उनकी बहन 17 दिन पहले ही तिजारा की ढाकी ग्राम पंचायत में सरपंच बनी है।

अचानक ब्रेक लगने के कारण बिगड़ा था बैलेंस

जानकारी के अनुसार लवानिया की स्कूटी किसी गाड़ी से टकराई नहीं थी। दरअसल, धौला कुंआ स्टैंड के पास उनके आगे चल रही पिकअप और टेंपो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई थी। पीछे चल रहे योगेश ने बचने की कोशिश की, लेकिन पिकअप उनके ऊपर पलट गई। स्थानीय लोगों ने उन्हें पिकअप से नीचे से निकाला।

नशा मुक्त राजस्थान — मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नशा मुक्त राजस्थान का संकल्प हो रहा तेजी से साकार

वर्ष 2024 से अक्टूबर 2026 तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 18 हजार 497 प्रकरण दर्ज, 27 हजार 473 गिरफ्तार

- **मादक पदार्थों की तस्करी पर सर्जिकल स्ट्राइक, 2 हजार 445 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त**
- **अवैध नशे के कारोबारियों की संपत्तियों पर चला बुलडोजर**

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के संकल्प पर तेजी से कार्य करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध उत्पादन एवं नशे के कारोबार में लिप्त के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। गत 3 वर्षों में प्रदेश में व्यापक स्तर पर मादक पदार्थों की जब्ती



और अपराधियों की गिरफ्तारी कर अवैध नशे के नेटवर्क पर सर्जिकल स्ट्राइक की गई है।एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने वर्ष 2024 से 2026 (अक्टूबर) तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 18 हजार 497 प्रकरण दर्ज कर 27 हजार 473 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस अवधि में लगभग 2 हजार 445 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। वहीं, नशे के अवैध कारोबार में प्रयुक्त 13 हजार 620 वाहन भी जब्त किए गए है। प्रदेशभर के जिलों, विशेषकर सीमावर्ती, में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध सघन कार्रवाइयों को निरंतर गति प्रदान की जा रही है। वर्ष 2026 में ही 7 हजार 44 प्रकरण दर्ज किए गए, जो वर्ष 2024 की तुलना में लगभग 34 प्रतिशत अधिक हैं।

इसी प्रकार, मादक पदार्थों की अवैध खेती और उत्पादन के नेटवर्क को समाप्त करने के उद्देश्य से प्रभावी कार्रवाई करते हुए गत 3 वर्षों में कुल 288 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। अवैध मादक पदार्थों के निर्माण की फैक्ट्रियों, विशेषकर एमडी ड्रग्स, के विरुद्ध गत तीन वर्षों में कुल 49 प्रकरण दर्ज कर 115 आरोपियों को गिरफ्तार किया गए हैं। नशे के कारोबार के आर्थिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए भी सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।